हिन्दी साप्ताहिक
भारत निविदा लाईन समाचार पत्र
भारत निविदा लाईन समाचार

क्राइम की हर खबर....

■ वर्ष : 18 ■ अंक:35 ■ नई दिल्ली 06 से 12 जून 2025 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

मालदीव की ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर बनीं कैटरीना

गुजरात के अहमदाबाद में दर्दनाक विमान हादसा

लंदन जा रहा विमान हुआ क्रैश, 241 लोगों की मौत

पूर्व सीएम विजय रूपाणी का भी निधन, 169 भारतीय, 61 विदेशी यात्री थे सवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में एयर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हुआ है। इसमें सवार सभी 242 लोगों की मौत हो गई है। न्यूज एजेंसी एपी ने गुजरात पुलिस कमिश्नर के हवाले से यह जानकारी दी। एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई-171 अहमदाबाद से लंदन जा रही थी।

इसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत कुल 230 यात्री सवार थे। बाकी 12 क्रू मेंबर्स थे। हादसे की जगह से मिले ज्यादातर शव इतनी बुरी तरह झुलस चुके हैं कि उनकी पहचान करने में बेहद मुश्किल आ रही है। उनकी पहचान डीएनए टेस्ट के बाद ही संभव होगी। हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का भी निधन हो गया है। भाजपा के राज्यसभा सांसद परिमल नाथवानी ने एक्स पर यह जानकारी दी। हालांकि कुछ देर बाद उन्होंने अपनी पोस्ट डिलीट कर दी। प्लेन जिस बिल्डिंग से टकराया, वहां अहमदाबाद के सिविल हॉस्पिटल के डॉक्टर्स रहते हैं। जानकारी के मुताबिक हादसे के समय इमारत में 50 से 60 डॉक्टर मौजूद थे, इनमें 15 से ज्यादा घायल हो गए हैं। एयर इंडिया की फ्लाइट नंबर एआई-171 ने दोपहर 1.38 बजे उड़ान भरी थी। दोपहर 1.40 बजे यह क्रैश हो गई। जानकारी के मुताबिक विमान एयरपोर्ट की दीवार और एयर कस्टम कार्गो ऑफिस के पास क्रैश हुआ। विमान के गिरते ही पूरे इलाके में धुएं का गुबार दिखाई दिया। एयर इंडिया का यह विमान लंदन जाने के लिए टेकऑफ जैसे ही किया, वह पास के रिहायशी इलाके में जा गिरा। माना जा रहा है कि एयरपोर्ट से जैसे ही एयर इंडिया का विमान बोइंग एआई-171 ने टेकऑफ किया, उसका इंजन फेल हो गया। पायलट के पास बस 1 मिनट ही टाइम था, मगर विमान इतनी कम ऊंचाई पर था कि वह पेड़ों से टकरा गया। यानी हादसा होना तय था। बताया जा रहा है कि उसका पिछला हिस्सा टकरा गया, जिससे विमान में आग लग गई। हालांकि, इसकी अभी जांच चल रही है। अहमदाबाद में एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन जिस बिल्डिंग पर गिरा वहां अहमदाबाद के सिविल हॉस्पिटल के इंटर्न डॉक्टर्स रहते थे। ये इंटर्न डॉक्टर्स का हॉस्टल था जब विमान गिरा तब वहां 50 से 60 इंटर्न डॉक्टर्स थे। पता चला है कि यहां से छह शव निकाले गए हैं। विमान में आग लगने से उठे धुएं से हॉस्टल की बिल्डिंग पूरी तरह काली पड़ गई है और हर तरफ सिर्फ मलबा पड़ा है। अंदर जाकर देखा कि हॉस्टल खंडहर जैसा हो गया था। शव यहां-वहां बिखरे पड़े थे। विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक हादसे में पूर्व सीएम नहीं बच पाए हैं। विमान में 242 पैसेंजर सवार थे। इनमें 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक था। हादसे की जगह से अब तक 100 शव मिलने की खबर है।

सड़कों पर बिखरी पड़ी थीं लाशें, पहचानना मुश्किल

धमाका इतना खौफनाक था कि आसपास की सड़कों पर लाशें बिखरी हैं। जले शवों को पहचानना तक मुश्किल हो रहा है। लोग अपनों की सलामती के लिए मंदिर में प्रार्थना कर रहे हैं। इस हादसे को लेकर जानकारी सामने आई है कि प्लेन को टेक ऑफ करने से पहले जांच की गई थी लेकिन कोई कमी नहीं मिली। टेक ऑफ करने के बाद पायलट ने मेडे कॉल दी थी, जिसमें यह संकेत दिया जाता है कि प्लेन खतरनाक स्थिति में है। हालांकि, इस कॉल के बाद प्लेन को बहुत कम वक्त मिला और 242 लोगों को लेकर लंदन जा रहा विमान नीचे आकर एक बिल्डिंग से टकरा गया। इस हादसे के बाद यात्रियों के परिजनों के लिए एक पैसेंजर हेल्पलाइन साझा की है। यात्री के परिजन जानकारी के लिए हॉट लाइन नंबर 1800 5691 444 पर संपर्क कर सकते हैं। इस हादसे में घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है।

पीएम स्टार्मर बोले-हादसे के विजुअल बहुत भयानक

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हो गया। इस प्लेन में 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत 242 पैसेंजर सवार थे। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने इस हादसे पर दुख जताया है। कीर स्टार्मर ने संसद में कहा– कई ब्रिटिश नागरिकों को लेकर लंदन जा रहे प्लेन के अहमदाबाद में क्रैश होने के कई विजुअल बहुत भयानक हैं। मुझे हर अपडेट के बारे में जानकारी दी जा रही है। मेरी संवेदनाएं पीड़ितों के साथ है। वहीं, ब्रिटिश सांसद लूसी पॉवेल ने कहा कि ब्रिटिश सरकार एअर इंडिया विमान में सवार लोगों को 'हर संभव मदद' मुहैया कराएगी। संसद में बोलते हुए पॉवेल ने कहा कि कई परिवार हैं, जो अपने लोगों के आने का इंतजार कर रहे हैं। यह बहुत चिंता की बात है।

शब्दों से परे, यह दिल दहला देने वाली घटना

● अहमदाबाद विमान हादसे पर पीएम मोदी ने जताया दुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। उन्होंने इसे शब्दों से परे परे और दिल दहला देने वाला हादसा बताया। साथ ही, बताया कि वह अपने मंत्रियों व अधिकारियों से संपर्क में हैं। अहमदाबाद के मेघाणीनगर में हुए विमान हादसे में लगभग सभी लोगों ने अपनी जान गंवा दी है। हालांकि, अभी तक आधिकारिक आंकड़ा सामने नहीं आया है। यह हादसा गुरुवार दोपहर 1.38 मिनट पर हुआ। पीएम मोदी ने विमान हादसे को लेकर एक्स पर पोस्ट किया, अहमदाबाद में हुई त्रासदी ने हमें स्तब्ध और दुखी कर दिया है। यह शब्दों से परे दिल दहला देने वाली घटना है। इस दुखद घड़ी में, मेरी संवेदनाएं इससे प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। मैं मंत्रियों और अधिकारियों के संपर्क में हूं जो प्रभावित लोगों की सहायता के लिए काम कर रहे हैं। हादसे के तुरंत बाद पीएम मोदी ने नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू से बात की और अहमदाबाद हवाई अड्डे पर हुए विमान हादसे की जानकारी ली। विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

पश्चिम बंगाल में दुकान खोलने को लेकर दो समुदाय टकराए

● 5 घायल, 29 उपद्रवी गिरफ्तार, भाजपा नेता का दावा-मंदिर भी तोड़ा गया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के रवींद्रनगर इलाके में बुधवार को दो समुदायों के बीच दुकान खोलने को लेकर हिंसक झड़प हो गई। उपद्रवियों ने पुलिस थाने के बाहर पथराव किया, टायर जलाए और एक बाइक को आग के हवाले कर दिया। अब तक 29 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। घटना में 5 लोग घायल हो गए। वहीं, 1 महिला पुलिसकर्मी सहित कई पुलिसवाले भी घायल हुए हैं। स्थिति संभालने के लिए कोलकाता पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स तैनात की। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) सुवेंदु अधिकारी और राज्य के अन्य भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि रवींद्र नगर पुलिस स्टेशन के पास मेटियाब्रूज विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत महेशतला के वार्ड नंबर 7 में एक शिव मंदिर में तोड़फोड़ की गई। शुभेंदु ने इंस्पेक्टर को निलंबित करने की मांग की विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कोलकाता पुलिस मुख्यालय के बाहर धरना दिया और केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग की। उन्होंने राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस से इंस्पेक्टर मुकुल मिया को निलंबित कर भूमिका की जांच की मांग भी की।

फडणवीस और राज ठाकरे की डेढ़ घंटे हुई मुलाकात

● शिवसेना यूबीटी-मनसे गठबंधन पर लग सकता है ब्रेक ● उद्धव ठाकरे ने कहा था-जनता जो चाहेगी अब वही होगा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे से मुलाकात की। ये मीटिंग मुंबई के ताज लैंड्स एंड होटल में करीब डेढ़ घंटे तक चली। यह कार्यक्रम सीएम फडणवीस के शेड्यूल में शामिल नहीं था। अचानक हुई इस मीटिंग के बाद राजनीतिक गलियारे में चर्चा है कि पिछले दिनों शिवसेना और मनसे (यूबीटी) के बीच गठबंधन की जो संभावनाएं थीं, उन पर फिलहाल विराम लग सकता है। हालांकि महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और बीजेपी नेता नितेश राणे ने कहा, ये मुलाकात राजनीतिक नहीं हैं। देवेंद्र जी के हर व्यक्ति के साथ अच्छे संबंध हैं। दरअसल, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने 6 जून को अपने चचेरे भाई राज ठाकरे के साथ गठबंधन के संकेत दिए थे। उद्धव ने कहा था कि महाराष्ट्र की जनता जो चाहेगी, वही होगा।

अखिलेश की तरकीब से बिहार में तेजस्वी करेंगे बड़ा 'खेला'

● बीजेपी को गच्चा देने का है प्लान, नड्डा एंड ब्रिगेड की भी है पूरी तैयारी

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में जीत दर्ज करने के लिए बीजेपी प्लानिंग में जुट गई है। इस योजना में एंटी-इंकंबेंसी का न होना, जातीय समीकरण, ऑपरेशन सिंदूर का गुणगान, जाति जनगणना कार्ड और नीतिश कुमार के लिए सहानुभूति शामिल है। बीजेपी सूत्रों के अनुसार, पार्टी किसी भी तरह की लापरवाही से बच रही है। जेपी नड्डा एंड ब्रिगेड भली-भांति समझती है कि बिहार चुनाव में जातीय गोलबंदी के मोर्चे पर उनका कड़ा मुकाबला है। एनडीए के पास बिहार में जीतने के लिए बहुत कुछ है। पार्टी को उम्मीद है कि वह नीतिश कुमार के नेतृत्व में बिहार चुनाव हर हाल में जीतेगी। हालांकि, पार्टी सतर्क है और ओवर कॉन्फिडेंस से बच रही है। उन्हें पता है कि बिहार चुनाव एक 'जातीय गोलबंदी' की लड़ाई है। वहीं आरजेडी का प्रयास है कि वह समाजवादी पार्टी वाली प्लानिंग बिहार में दोहराए। तेजस्वी यादव का प्रयास है कि वह 2025 के बिहार चुनाव में वही करें जो 2024 के लोकसभा चुनाव में अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में किया था। आरजेडी यादव-मुस्लिम समुदाय से बाहर के उम्मीदवारों को टिकट दे रही है। इसके अलावा 2024 के लोकसभा चुनाव में कंफ्यूजन क्रिएट कर बीजेपी को झांसे में रखने का काम किया था।

पंजाब में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की कार में लाश मिली

युवक पार्किंग में छोड़कर भागा, आतंकी डल्ला ने अश्लील कंटेंट पर धमकी दी थी

लुधियाना/बठिंडा (एजेंसी)। पंजाब की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कमल कौर भाभी उर्फ कंचन कुमारी की मौत हो गई। उसकी लाश बठिंडा में एक अस्पताल की पार्किंग में कार से मिली। फिलहाल पुलिस ने शव कब्जे में लेकर सिविल अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवा दिया है। अभी यह सामने नहीं आया है कि कमल कौर की हत्या किसने की। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें 10 जून को सुबह 5.33 बजे एक कार अस्पताल की पार्किंग में आती हुई दिख रही है। एक सिख युवक कार पार्क करके वहां से चला जाता है। कमल कौर (30) लुधियाना की रहने वाली थीं। वह इंस्टाग्राम पर अक्सर विवादित और अश्लील रील बनाती थी।

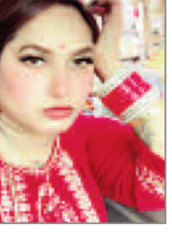

गजब की खुदगर्जी पर उतर आया ट्रंप का अमरीका

● आतंकवाद पर अब देगा पाकिस्तान का साथ, मुनीर को भेजा न्योता ● दोगलापर उजागर, नापाक रिश्ते के खुलासे के बाद टेंशन में भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। 26/11 की घटना के बाद दुनिया में यह माहौल बना था कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका सबसे आगे रहेगा। लेकिन, पिछले कुछ समय में ऐसी कई चीजें देखने को मिली हैं, जिससे साफ हो चुका है कि दुनिया का सुपरपावर समझने वाला अमेरिका आतंकवाद के मामले में भी निहित स्वार्थ में डूबा हुआ है। उसे सिर्फ उन आतंकियों से दुश्मनी है, जिससे उसके अपने हित प्रभावित हो रहे हैं। बाकी आतंकवाद को राष्ट्रीय नीति के तौर पर चलाने वाला पाकिस्तान जैसा देश ही क्यों न हो, अमेरिका उनके साथ खड़ा रहेगा। ऐसे में पहलगाम हमले के बाद दुनिया भर में आतंकवाद के खिलाफ अभियान चलाने वाले भारत की लड़ाई को नए सिरे से लड़ने की जरूरत आ खड़ी हुई है। आतंकवाद के मसले पर अमेरिका की दोहरी नीति की सबसे बड़ी पोल उसके सेंट्रल कमांड के चीफ जनरल माइकल कुरिला के एक बयान से खुली है। उन्होंने आतंकवाद से लड़ने में पाकिस्तान को एक 'वैल्यूएबल पार्टनर' बताया है। यहां तक कि उन्होंने आतंकी संगठनों से निपटने के लिए पाकिस्तान के साथ सहयोग बढ़ाने की बात कही है। अमेरिकी सीनेट कमेटी के सामने जनरल कुरिला ने कहा कि आईएसआईएस-के पाकिस्तान-अफगानिस्तान बॉर्डर के आदिवासी इलाकों में एक्टिव है। ऐसे में उसके लिए पाकिस्तान की भूमिका और भी अहम हो जाएगी। उन्हें इस बात की खुशी है कि पाकिस्तान ने मोहम्मद शरीफुल्ला को गिरफ्तार और प्रत्यर्पित किया। शरीफुल्ला आईएसआईएस-के का प्लानर था। उसने 26 अगस्त 2021 को एब्बे गेट पर आत्मघाती हमला किया था, जिसमें 13 अमेरिकी सैनिक और 160 नागरिक मारे गए थे। उन्होंने यह भी बताया कि पाकिस्तानी आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर ने आतंकी की गिरफ्तारी के बाद उन्हें फोन किया था और अमेरिकी डिफेंस सेक्रेटरी और अमेरिकी राष्ट्रपति को जानकारी देने के लिए भी कहा था। वे पिछले कुछ महीनों में जनरल मुनीर से कई बार मिल चुके हैं। अमेरिका के एक बड़े अधिकारी ऐसे समय में पाकिस्तान के साथ आतंकवाद पर अपनी तालमेल का महिमामंडन कर रहे हैं, जब पहलगाम आतंकी हमले में जनरल असीम मुनीर की भूमिका का पर्दाफाश हो चुका है। पाकिस्तानी सेना के इसी चीफ के भड़काऊ बयान के हफ्ते भर बाद ही पहलगाम की बैसरन घाटी को पाकिस्तानी आतंकियों ने 25 भारतीय और एक विदेशी नागरिक का धर्म पूछकर उनके खून से लाल कर दिया। मतलब, माइकल कुरिला ने जो कुछ कहा है और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो रवैया दिखाया है, वह ठीक नहीं है।

भाजपा के नए अध्यक्ष का चुनाव 21 जुलाई तक संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव 21 जुलाई को संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले हो सकता है। अगले हफ्ते से इस दिशा में कवायद तेज हो जाएगी। लगभग 10 राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्ष चुन लिए जाएंगे। इसके तुरंत बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद है। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की तरफ से अनौपचारिक बातचीत में इसके साफ संकेत मिले हैं कि नए अध्यक्ष का चुनाव अब टाला नहीं जाएगा।

अखिल भारतीय सेवा संघ द्वारा ठंडे और मीठे पानी की सेवा शिविर का हुआ आयोजन

रितेश

हरियाणाः गर्मियों की तपती दोपहर में जब लोग छांव और पानी की तलाश में होते हैं, ऐसे समय में समाजसेवा की भावना को समर्पित संगठन "अखिल भारतीय सेवा संघ शाखा कालांवाली" द्वारा एक अनुकरणीय कार्य किया गया। संघ के उपाध्यक्ष श्री दीपक मकानी की माता, प्रोमिला देवी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में कालांवाली की डॉ. मार्केट में एक ठंडे और मीठे पानी की सेवा शिविर का आयोजन किया गया। यह सेवा शिविर न केवल जनकल्याण की दिशा में एक सार्थक पहल था, बल्कि यह उस सामाजिक और पारिवारिक मूल्य की भी मिसाल बना जिसमें अपनों के महत्वपूर्ण दिनों को समाजसेवा से जोड़ा जाता है। इस शिविर में राहगीरों, दुकानदारों और आसपास के निवासियों के लिए ठंडे व मीठे पानी की व्यवस्था की गई, जिससे हर किसी को गर्मी से राहत मिली।

इस अवसर पर संघ के संरक्षक नरेश गर्ग और शाखा अध्यक्ष डॉ. राजेशदीप गोयल ने शिविर स्थल पर उपस्थित होकर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि "समाज सेवा किसी एक दिन का काम नहीं बल्कि निरंतर चलने वाली साधना है। जब हम अपने परिवार के खास दिनों को समाज के साथ जोड़ते हैं, तो उसका महत्व और भी बढ़ जाता है। गर्ग ने यह भी कहा कि आज के युग में जब हर कोई अपनी निजी व्यस्तताओं में उलझा हुआ है, ऐसे में दीपक मकानी द्वारा अपनी माताजी के जन्मदिवस को इस तरह सार्वजनिक हित के कार्य से जोड़ना अत्यंत सराहनीय कदम है। यह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगा। इस अवसर पर शाखा के सचिव संदीप जैन, सलाहकार श्रवण प्रजापति, कोषाध्यक्ष हरविलास गोयल, भूषण शर्मा, दीपक गर्ग, विकेश विक्की, जगसीश प्रजापति,देविंदर गुप्ता और राकेश राका सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। सभी ने मिलकर इस शिविर को सफल बनाने में सहयोग किया।

इन सभी पदाधिकारियों ने अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए लोगों को पानी पिलाया और शिविर के संचालन में सक्रिय भूमिका निभाई। शहरवासियों ने की प्रशंसा शिविर में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति के चेहरे पर संतोष और राहत के भाव स्पष्ट झलक रहे थे। स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों ने संघ के इस कार्य की मुक्तकंठ से सराहना की। दुकानदारों ने बताया कि इस प्रकार की सेवाएं हर गर्मी के मौसम में होनी चाहिए, क्योंकि कई बार राहगीरों को तत्काल पीने के पानी की आवश्यकता होती है, जो उन्हें आसपास आसानी से नहीं मिलती। एक स्थानीय व्यापारी ने कहा कि अखिल भारतीय सेवा संघ शाखा कालावाली का यह प्रयास सराहनीय है। ऐसे शिविर समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और दूसरों को भी ऐसे कार्यों के लिए प्रेरित करते हैं।

संघ के सेवा संकल्प की झलक अखिल भारतीय सेवा संघ का यह आयोजन केवल एक सेवा शिविर भर नहीं था, बल्कि यह उस सोच और प्रतिबद्धता की झलक भी था जिसमें समाज के प्रति दायित्वबोध शामिल है। संघ के सभी सदस्यों ने पूरी निष्ठा से कार्य करते हुए इस बात को सुनिश्चित किया कि कोई भी व्यक्ति बिना पानी पिए शिविर से वापस न लौटे। शाखा सचिव संदीप जैन ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल पानी पिलाना नहीं था, बल्कि यह दिखाना था कि कैसे छोटे-छोटे प्रयास भी समाज में बड़ा असर छोड़ सकते हैं, दीपक मकानी ने अपनी माता के जन्मदिवस को एक सेवा दिवस के रूप में मनाकर समाज को यह संदेश दिया कि खुशियों को केवल व्यक्तिगत स्तर पर ही नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी मनाना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मेरी माता श्रीमती प्रोमिला देवी ने हमेशा समाजसेवा और परोपकार के मार्ग को अपनाने की शिक्षा दी है। उनका जीवन हमारे परिवार के लिए प्रेरणा रहा है। मैं उनका जन्मदिवस समाज के साथ साझा कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि देना चाहता था।

संघ के अध्यक्ष डॉ. राजेशदीप गोयल ने यह भी बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार के सेवा कार्यों को लगातार जारी रखा जाएगा। उन्होंने यह घोषणा की कि आने वाले महीनों में रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच शिविर और वृक्षारोपण जैसे कार्यक्रम भी संघ द्वारा आयोजित किए जाएंगे। यह शिविर समाज सेवा का एक सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है। यह आयोजन केवल एक दिन का था, लेकिन इसका संदेश दीर्घकालीन है। यह दिखाता है कि यदि प्रत्येक नागरिक अपने जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों को समाजसेवा से जोड़ ले, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना संभव है। अखिल भारतीय सेवा संघ, कालांवाली शाखा का यह कार्य न केवल स्थानीय लोगों के लिए उपयोगी रहा, बल्कि इसने समाजसेवा के नए मानदंड भी स्थापित किए हैं। इस शिविर के माध्यम से न केवल प्यास बुझाई गई, बल्कि दिलों को भी ठंडक पहुंचाई गई।

सीआईए स्टाफ डबवाली टीम ने मात्र 24 घंटे से पहले चोरी की गुत्थी सुलझाई

रितेश

हरियाणाः डबवाली पुलिस द्वारा क्षेत्र में चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने व चोरों की धरपकड़ को लेकर चलाये गये विशेष अभियान के तहत सीआईए स्टाफ डबवाली टीम ने मटदादू में हुई करीब दो लाख रुपये की अंगूठी चोरी की वारदात को खुलासा करते हुए एक आरोपी को काबू कर उसके कब्जे से चोरीशुदा रिंग बरामद करने में कामयाबी हासिल की है। आरोपी की पहचान गुरमीत सिंह पुत्र काका सिंह निवासी मटदादू के रूप में हुई है।

इस संबंध में प्रभारी सीआईए स्टाफ डबवाली सब इंस्पेक्टर राजपाल ने बताया कि दिनांक 10.06.2025 को परविंदर सिंह पुत्र मलकीत सिंह निवासी मटदादु की शिकायत पर कि उसके भाई अमरजोत के घर पर किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिए जाने पर थाना सदर में अभियोग दर्ज कर जांच शुरू की गई थी । जो जांच के दौरान उनकी टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को काबू किया जिसके कब्जे से चोरीशुदा रिंग भी बरामद की गई । आरोपी गुरमीत सिंह को अदालत में पेश करके पुलिस रिमांड पर लेकर गहनता से पूछताछ की जाएगी व अन्य वारदातों बारे जानकारी हासिल की जाएगी।

शादी के बाद क्या बच्चे जरुरी, वैवाहिक जीवन में बच्चो की अहमियत क्या इतनी जरूरी

राजपूत रणजीत

गुजरातः क्या बच्चों के बिना शादी अधूरी है?: दंपति को यह तय करने का अधिकार है कि उन्हें बच्चे चाहिए या नहीं; सामाजिक दबाव के आगे झुकने के लिए आजीवन संघर्षएक दम्पति को यह निर्णय लेने का अधिकार है कि वे बच्चे चाहते हैं या नहीं; सामाजिक दबाव के आगे झुकना जीवन भर का पछतावा है, एक दम्पति को यह तय करने का अधिकार है कि वे बच्चे चाहते हैं या नहीं। किसी भी दम्पति पर सामाजिक दबाव के आगे झुकना और अपने जीवन में बच्चे पैदा करने का निर्णय लेना उनका व्यक्तिगत विकल्प है। अगर कोई दम्पति बच्चे नहीं चाहते हैं तो उन्हें इस फैसले के लिए दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए। सामाजिक दबाव के आगे झुकने से जीवन भर का पछतावा हो सकता है।

विस्तार से व्यक्तिगत अधिकार किसी भी दम्पति को यह तय करने का अधिकार है कि वे बच्चे चाहते हैं या नहीं। यह एक व्यक्तिगत निर्णय है और इसे किसी भी बाहरी दबाव से प्रभावित नहीं किया जाना चाहिए सामाजिक दबाव समाज में अक्सर लोगों को बच्चे पैदा करने के लिए दबाव डाला जाता है, खासकर महिलाओं को। यह दबाव उनके जीवन में दुख और तनाव पैदा कर सकता है पछतावा अगर कोई दम्पति सामाजिक दबाव के आगे झुककर बच्चे पैदा करने का फैसला करते हैं और बाद में उन्हें पछतावा होता है, तो यह उनके जीवन में बहुत दुख और तनाव पैदा कर सकता है। खुशी दम्पतियों को अपने जीवन को अपनी शर्तों पर जीने और अपने जीवन के लक्ष्यों को निर्धारित करने का अधिकार है। अगर वे बच्चे नहीं चाहते हैं तो उन्हें इस फैसले के लिए दोषी महसूस नहीं करना चाहिए। अगर दम्पति बच्चे नहीं चाहते तो उन्हें खुश रहना चाहिए।

आत्म-ज्ञान दम्पतियों को यह सोचने के लिए समय लेना चाहिए कि वे बच्चे चाहते हैं या नहीं और फिर अपना फैसला करना चाहिए। संवाद दम्पतियों को एक दूसरे के विचारों और भावनाओं के बारे में बात करनी चाहिए। यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे दोनों एक ही पेज पर हैं सहायता दम्पतियों को अपने निर्णय पर संदेह होने पर या अपने सामाजिक दबाव के बारे में चिंतित होने पर मदद के लिए पेशेवर सहायता प्राप्त करनी चाहिए। एक दम्पति को यह तय करने का अधिकार है कि वे बच्चे चाहते हैं या नहीं। यह एक व्यक्तिगत निर्णय है और इसे किसी भी बाहरी दबाव से प्रभावित नहीं किया जाना चाहिए। अगर कोई दम्पति बच्चे नहीं चाहते हैं तो उन्हें इस फैसले के लिए दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए।

न्याय एवं अधिकार समिति समाज सेवा ने विधायक और जिला पंचायत अध्यक्ष के साथ किया वृक्षारोपण

राजपूत रणजीत

गुजरातः न्याय एवं अधिकार समिति समाज सेवा बाबेन, बारडोली, जी. सुरत विधायक और जिला पंचायत के प्रेसिडेंट और गांव के लोगों को साथ रखकर गांव में वृक्षारोपण किया। गांव में वृक्षारोपण एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक कदम है। इससे पर्यावरण को लाभ होगा और साथ ही गांव के लोगों को भी कई फायदे होंगे।

पर्यावरण को लाभः

पर्यावरण का सुधारः

पेड़ हवा को साफ करते हैं और कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं। इससे वायु प्रदूषण कम होता है और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में मदद मिलती है।

जल संरक्षणः

पेड़ पानी को सोखते हैं और मिट्टी को बांधते हैं, जिससे बाढ़ और कटाव कम होता है।

वन्यजीवों को आवासः

पेड़ वन्यजीवों के लिए आवास प्रदान करते हैं और जैव विविधता को बढ़ावा देते हैं।

भूमि की उर्वरताः

पेड़ मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाते हैं, जिससे खेती के लिए अच्छी जमीन तैयार होती है।

गांव के लोगों को लाभः

रोजगारः

वृक्षारोपण से गांव के लोगों को रोजगार के अवसर मिलते हैं, खासकर कृषि वानिकी योजना में।

फसल उत्पादनः

पेड़ मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाकर फसलों के उत्पादन में वृद्धि करते हैं।

ऊर्जा स्त्रोतः

पेड़ ईंधन के रूप में इस्तेमाल किए जा सकते हैं और ऊर्जा के स्त्रोत प्रदान कर सकते हैं।

स्वास्थ्य लाभः

पेड़ हवा को साफ करते हैं और लोगों को सांस लेने में मदद करते हैं।

वृक्षारोपण की योजना बनानाः

वृक्षारोपण की योजना बनाने के लिए, कुछ महत्वपूर्ण बातें हैं जिन पर विचार करना चाहिएः

पेड़ का चयनः

स्थानीय जलवायु और मिट्टी के लिए उपयुक्त पेड़ों का चयन करें।

स्थानः

पेड़ लगाने के लिए उचित स्थान का चयन करें।

समयः

सही समय पर पेड़ लगाएं, जैसे कि बारिश का मौसम।

देखभालः

पेड़ लगाने के बाद, उन्हें नियमित रूप से पानी दें और उनकी देखभाल करें।

वृक्षारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिएः

सामुदायिक भागीदारीः

वृक्षारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समुदाय की भागीदारी महत्वपूर्ण है।

सरकारी सहायताः

सरकार को वृक्षारोपण कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करना चाहिए और वित्तीय सहायता प्रदान करनी चाहिए।

पर्यावरण शिक्षाः

लोगों को पर्यावरण के बारे में शिक्षित करना चाहिए ताकि वे वृक्षारोपण के महत्व को समझ सकें।

कुल मिलाकर, गांव में वृक्षारोपण एक सराहनीय कदम है जो पर्यावरण और समाज दोनों के लिए फायदेमंद है।

शादी का झांसा देकर किया युवती के साथ दुष्कर्म, बाद में वीडियो किया वायरल

अरुण कुमार पटेल

उत्तर प्रदेशः जनपद बलिया शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने और विडियो वायरल करने वाले वांछित अभियुक्त को उभांव पुलिस ने धर दबोचा बेल्थरा रोड, बलिया। उभांव पुलिस ने बृहस्पतिवार को शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म करने व आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने के मामले में फरार चल रहे वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। एसएचओ आरपी सिंह ने बताया कि युवक ने शादी का प्रलोभन देकर एक युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाया।

इस मामले में भीमपुरा थाना में दुष्कर्म और आपत्तिजनक फोटो वायरल करने से संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया था, जिसकी विवेचना उभांव एसएचओ को सौंपी गई थी। एसएचओ ने बताया कि

पशुहारी ग्राम में गश्त के दौरान अभियुक्त के किड़ीहरापुर रेलवे स्टेशन पर मौजूद होने की सूचना मिली। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए स्टेशन पर छापा मार कर अभियुक्त विष्णुकांत यादव उर्फ वीरन यादव पुत्र स्व रामसोख यादव निवासी डफलपुरा थाना भीमपुरा को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई करते हुए माननीय न्यायालय भेज दिया गया।

विधायक ने जन संवाद कार्यक्रम में सुनी जनता की समस्याएं, समाधान का दिया आश्वासन

एमडी फिरोज आलम

बिहार : नगर पंचायत के वार्ड संख्या 12 बाकरगंज में बुधवार को कांग्रेस पार्टी द्वारा जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आम जनता से सीधा संवाद स्थापित कर क्षेत्र की समस्याओं को जानना और उनके समाधान की दिशा में पहल करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस नेता निरंजन यादव ने की, जबकि संचालन समाजसेवी ऋषिकांत मंडल ने किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया और अपने क्षेत्र की विभिन्न समस्याएं विधायक मनोहर प्रसाद सिंह के समक्ष रखीं। लोगों ने मुख्य रूप से नाला निर्माण, बिजली-पानी की समस्या, जर्जर सड़कों, आंगनबाड़ी केंद्र, तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना जैसी महत्वपूर्ण मांगें उठाईं। लोगों ने बताया कि इन बुनियादी सुविधाओं के अभाव में उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

इस दौरान विधायक मनोहर प्रसाद सिंह ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुना और आश्वस्त किया कि वे संबंधित विभागों से समन्वय कर जल्द से जल्द समाधान सुनिश्चित करेंगे। इस मौके पर गोपाल कृष्ण यादव, वार्ड पार्षद जुगनू साह, आदित्य कुमार, छोटू उर्फ शहाबुद्दीन, चेतन कुमार, अमन कुमार समेत कई लोग मौजूद थे।

एक नजर

अपनों से विदाई और परिजनों की आंखों में आंसू, बेटी से सजेदाबेन की मुलाकात बनी आखिरी मुलाकात

राजपूत रणजीत/गुजरातः अहमदाबाद शहर के मेघानीनगर आईजीपी परिसर में 171-एयर इंडिया बोइंग विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान ने रात 1.38 बजे उड़ान भरी और 1.40 बजे दुर्घटनाग्रस्त होकर इमारत से जा टकराया। इस विमान में करीब 200 यात्री और मालवाहक थे, जबकि इस विमान हादसे में सूरत के दो परिवार भी सवार थे। जिसमें अडाजण इलाके में रहने वाले एक डॉक्टर दंपत्ति और रामपुरा इलाके में रहने वाले एक परिवार के तीन सदस्य भी इस विमान में सवार थे।अहमदाबाद से लंदन तक की यात्रा उनके जीवन की अंतिम यात्रा बन गई; अपनी बेटी से सजेदाबेन की मुलाकात उनकी अंतिम मुलाकात बन गई।

अतुल्य हॉस्टल की चारों बिल्डिंग पर गिरा विमान, 6 शव की हुई पहचान

राजपूत रणजीत/गुजरातः एयर इंडिया का विमान जिस बिल्डिंग में गिरा, वह इंटर्न डॉक्टर्स का हॉस्टल था। पता चला है कि इस हॉस्टल में 50 से 60 इंटर्न डॉक्टर्स थे। यह भी पता चला है कि इन सभी इंटर्न डॉक्टर्स की मौत हो गई। जब भास्कर रिपोर्टर मौके पर पहुंचा तो हॉस्टल के पास मौजूद एंबुलेंस के पास मौजूद नर्स ने बताया कि यह हॉस्टल इंटर्न डॉक्टर्स का है और विमान इसी पर गिरा। हॉस्टल के अंदर 50 से 60 इंटर्न डॉक्टर्स थे। विमान उस बिल्डिंग से टकराया, जहां रेजिडेंट डॉक्टर्स रहते थे, अतुल्य 1, 2, 3 और 4।6 शव मिले; छात्र मेस में खाना खाने बैठे थे और विमान क्रैश हो गया, प्लेटें छोड़कर भागे।

देवास कलेक्टर ने की रिश्वतखोरी पर सख़्त कार्यवाही, दिए जरुरी दिशा निर्देश

ईश्वर सिंह चावड़ा/मध्य प्रदेशः राजस्व निरीक्षक मोहनलाल गोयल सीमांकन के लिए पैसे मांगने और समय पर कार्य नहीं करने के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित। जनसुनवाई में उजागर हुए भ्रष्टाचार पर कलेक्टर ऋतुराज सिंह की त्वरित कार्रवाई। विभागीय जांच के आदेशनिलंबन अवधि में मुख्यालयः खातेगांव एक माह में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश आम जनता की शिकायत पर हुई कार्रवाई यह दशार्ती है कि भ्रष्टाचार पर प्रशासन जीरो टॉलरेंस नीति अपना रहा है।

चिकित्सा इकाई के तहत निःशुल्क चिकित्सा सेवा शिविर का आयोजन

विकास कुमार सिंह/उत्तर प्रदेशः गाजीपुर भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार की संयुक्त पहल के तहत राष्ट्रीय सचल चिकित्सा इकाई के तहत तहसील सैदपुर थाना सादात पट्टी गरीब उर्फ मई में निःशुल्क चिकित्सा सेवा शिविर का आयोजन किया गया, जिससे गांव के लोगों जैसे रीता पत्नी गोरख, गोविंद पुत्र चंदन, फूलचंद पुत्र देवशरण, विशाल पांडे पुत्र रत्नेश पांडे, लोचन पुत्र समर, जितेंद्र पुत्र दशरथ, राधा पत्नी नगीना यादव, सोनिया पत्नी फूलचंद, प्रकाश, संजय पुत्र राम जन्म इत्यादि लोगों का रजिस्ट्रेशन किया गया। करण और लक्षण की जानकारी प्राप्त करके दवा का वितरण किया गया। सरकार के इस कार्यक्रम से ग्रामीणों में खुशी का माहौल बना रहा और ग्रामीणों का कहना है कि सरकार का यह पहल ग्रामीणों के स्वास्थ्य के लिए हितकारी लगा, जिससे ग्रामीणों ने इस चिकित्सा सेवा शिविर का लाभ उठाया। डॉक्टर विजय सिंह, प्रियांशु, संघमित्रा मौर्य, विनोद कुमार के देखरेख में मरीज को निशुल्क दवा का वितरण किया गया।

उत्तर प्रदेशः भ्रष्टाचार में संलिप्त सोनभद्र के ग्राम पंचायत सचिव

इंद्रेश कुमार पांडे/उत्तर प्रदेशः सोनभद्र ग्राम पंचायत भरसही विकास खण्ड चतरा जनपद सोनभद्र में श्री मृत्यंजय पांडेय ने अपनी पुत्री नित्या का जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए ऑनलाइन प्रार्थना पत्र दिया था। लगभग दो माह पूर्व से फाइल को दुरुस्त करवा दिया गया और जब बार-बार उपरोक्त के संबंध में सचिव महोदय से बात करने के लिए श्री पांडेय जी के द्वारा मोबाइल से फोन किया गया, किन्तु दुर्भाग्यवश सचिव महोदय ने एक बार भी फोन रिसीव नहीं किया।

अन्ततः पांडेय जी ने आई जी आर एस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई तो सचिव महोदय ने रिपोर्ट लगाया कि जल्द ही मृत्यंजय पांडेय जी का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिया जाएगा। सर्वप्रथम तो यह बात स्पष्ट हो जाती है कि अधिकारियों ने जिस कर्मचारी के खिलाफ जांच करनी थी, उसी को सौंप दी गई। मौके पर जाकर जब पत्रकारों ने पीड़ित से मुलाकात की तो तमाम बातें स्पष्ट रूप से सामने आई हैं, जैसे कि अमृत सरोवर के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की गई है, विद्यालय की वाल बाउंड्री में भी बखूबी सरकारी धन का दुरुपयोग कर आपस में बंदरबांट की गई है। यदि ग्राम पंचायत भरसही में विकास कार्यों की जांच ईमानदारीपूर्वक की जाए तो सच्चाई सामने आ जाएगी।

गुजरातः बोडेली में पंचायत चुनाव में वार्ड सदस्य निर्विरोध घोषित

खत्री रफाकत इदरीशभाई/गुजरातः एससी आरक्षित सीट पर उम्मीदवारों ने नामांकन कर चुनावी मैदान में दमदारी से एंट्री ली है। अब देखना यह होगा कि मतदाता किसके सिर विजय का कलश सजाएंगे। छोटा उदेपुर जिले की बोडेली तहसील के बामरौली गांव में सामान्य ग्राम पंचायत चुनाव दिन प्रतिदिन और भी रोचक बनते जा रहे हैं। बीते दिन नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद आज नामांकन पत्रों की जांच के दौरान यह साफ हुआ कि बामरौली ग्राम पंचायत में सरपंच और वार्ड सदस्यों सहित कुल 9 सीटों के लिए चुनाव होना है।

बाल श्रम को समाप्त करने की उठाई गई मुहीम, लोगो में दिखा आक्रोश

राजपूत रणजीत

गुजरातः जो हर साल 12 जून को मनाया जाता है, बाल श्रम के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने और इसे समाप्त करने के लिए एक वैश्विक पहल है। संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) जैसे संगठनों के साथ, यह दिवस बाल श्रम को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस का महत्व यह दिवस बाल श्रम की गंभीर समस्या पर ध्यान केंद्रित करता है और इसे समाप्त करने के लिए जागरूकता बढ़ाने और कार्रवाई करने का एक अवसर प्रदान करता है। यह बच्चों के अधिकारों, शिक्षा और विकास के महत्व को भी रेखांकित करता है।

बाल श्रम का मतलब बाल श्रम, बच्चों को काम पर लगाने की प्रथा है, जो उनकी उम्र और विकास के लिए खतरनाक, शोषणकारी और हानिकारक होती है। यह बच्चों को शिक्षा से वंचित करता है, उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, और उनके भविष्य को बर्बाद करता है, बाल श्रम के खिलाफ कार्रवाई बाल श्रम को समाप्त करने के लिए, सरकारों, संगठनों, और समाज के सभी सदस्यों को मिलकर काम करना चाहिए। इसमें शामिल है जागरूकता बढ़ाना बाल श्रम के बारे में लोगों को शिक्षित करना और बाल श्रम के खिलाफ आवाज उठाना। कानूनों का पालन बाल श्रम पर रोक लगाने वाले कानूनों को लागू करना और उनका सख्ती से पालन करना।

सामाजिक और आर्थिक सहायता गरीब परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और बच्चों को शिक्षा के लिए प्रेरित करना। बच्चों के अधिकारों की रक्षाः

बच्चों को शोषण और दुर्व्यवहार से सुरक्षित रखना और उन्हें उनका हक दिलाना।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बाल श्रम को समाप्त करने के लिए दुनिया भर के देशों के बीच सहयोग करना संकल्प आइए, हम सभी मिलकर बाल श्रम को समाप्त करने का संकल्प लें और एक ऐसा विश्व बनाएं जहां हर बच्चे को उसका बचपन जीने का अधिकार हो।

सिद्धार्थनगर में एक महिला ने की अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या

सौरभ

उत्तर प्रदेशः एक दिल दहलाने वाली घटना ने सिद्धार्थनगर जिले को झकझोर कर रख दिया है, जहां एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या कर दी। इस मामले ने प्रेम विवाह और विश्वास की नींव को हिला दिया है।

जानकारी के मुताबिक, करीब 18 साल पहले महिला ने अपने पति के साथ प्रेम विवाह किया था। लेकिन समय के साथ उसका दिल किसी और के लिए धड़कने लगा। उसने न केवल अपने प्रेमी से रिश्ता बनाया, बल्कि अपने पति को भी उससे दोस्ती करने के लिए राजी कर लिया। इसके बाद, एक सुनियोजित साजिश के तहत महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति को मौत के घाट उतार दिया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, महिला ने पहले अपने पति को एक मंदिर ले जाकर प्रसाद में जहर मिलाकर खिला दिया। जैसे ही पति बेहोश हुआ, महिला और उसके प्रेमी ने उसे राप्ती नदी के पुल से नीचे फेंक दिया। इस जघन्य अपराध को छिपाने के लिए महिला ने थाने में जाकर पति की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई, ताकि पुलिस को गुमराह किया जा सके।

हालांकि, पुलिस की सतर्कता और गहन जांच ने साजिश का पदार्फाश कर दिया। पूछताछ में महिला ने अपना गुनाह कबूल कर लिया और बताया कि वह अपने प्रेमी के साथ नया जीवन शुरू करना चाहती थी, इसलिए उसने पति को रास्ते से हटाने का फैसला किया। पुलिस ने महिला और उसके प्रेमी को हिरासत में ले लिया है, और दोनों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

यह घटना स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का केंद्र बनी हुई है। 18 साल पुराने प्रेम विवाह की यह कहानी, जो अब हत्या की साजिश में बदल गई, रिश्तों की जटिलता और विश्वासघात की गहरी खाई को दशार्ती है।

छोटाउदेपुर के उद्योगपति, पत्नी और पुत्र के खिलाफ पुलिस में दर्ज हुई शिकायत

खत्री रफाकत इदरीशभाई

गुजरातः छोटाउदेपुर जिले के बोडेली तालुका के अलिखेरवा ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच द्वारा बोडेली के प्रसिद्ध उद्योगपति कंचनभाई मणिभाई पटेल, उनकी पत्नी कपिलाबेन और पुत्र दिव्येशभाई कंचनभाई पटेल के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए बोडेली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है।

शिकायत के अनुसार, पूर्व सरपंच की निजी मिल्कियत की जमीन, जो सर्वे नंबर 140 के प्लॉट नंबर 41, 42, 43 में आती है, उस पर 16 अगस्त 2023 की स्थिति में प्लिंथ लेवल तक का निर्माण कार्य तथा ईंटों से दीवारें बनाई गई थीं। इसके बावजूद, 5 सितंबर 2023 को ?300 के स्टांप पेपर पर बनाए गए एक नोटरी शपथपत्र में यह झूठा उल्लेख किया गया कि उक्त प्लॉट पर कोई निर्माण कार्य नहीं हुआ है और भूमि पूरी तरह से खाली है।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि इन प्लॉट्स को अलग-अलग हिस्सों में बाँटकर बेचा जा चुका है, जबकि शपथपत्र में यह गलत जानकारी दी गई है कि पूर्व में स्वीकृत ले-आउट प्लान के अनुसार कोई भी प्लॉट बेचा, स्थानांतरित या आरक्षित नहीं किया गया है और किसी को रास्ते या उपयोग का कोई अधिकार नहीं दिया गया है।

इतना ही नहीं, सर्वे नंबर 104 की जमीन में पश्चिम दिशा में स्थित कॉमन प्लॉट, जो 8 जनवरी 1996 को ?20 के स्टांप पर अलीपुरा ग्राम पंचायत को सुपुर्द किया गया था, उसके संबंध में भी नोटरी शपथपत्र में गलत तथ्यों का उल्लेख किया गया है। शपथपत्र में बताया गया कि कॉमन प्लॉट का उपयोग केवल सोसाइटी या प्रेसिडेंट एसोसिएशन द्वारा किया जाएगा और उसे न तो बेचा जाएगा, न किराए पर दिया जाएगा और न ही किसी अन्य रूप में स्थानांतरित किया जाएगा।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि यह सब जानते हुए भी कंचनभाई पटेल एवं उनके परिवारजनों ने जानबूझकर शपथपत्र में गलत जानकारी प्रस्तुत कर न सिर्फ झूठा दस्तावेज तैयार किया, बल्कि उसे नोडल एजेंसी झ नगर नियोजक एवं मूल्यांकन कार्यालय, वडोदरा शाखा झ के समक्ष प्रस्तुत कर रिवाइज्ड ले-आउट प्लान को मंजूरी दिलवाई।

इस प्रक्रिया के जरिए उन्होंने आर्थिक लाभ लेने का प्रयास किया और प्लॉट नंबर 41, 42, 43 पर कुल 6 मकानों का निर्माण कर प्लॉटों को बेचा। इसके चलते उनके खिलाफ बोडेली पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी, जालसाजी तथा झूठे दस्तावेज तैयार कर प्रस्तुत करने की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

एक नजर

उत्तर प्रदेश: नुआवा बैदरा में हुई मारपीट में इलाज के दौरान बुजुर्ग दंपति की हुई मौत

अमर प्रकाश/उत्तर प्रदेशः अयोध्या जनपद के बीकापुर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत नुआवा बैदरा गांव की है। जहां पर बीते रविवार विवाद को लेकर 55 वर्षीय जय कला और उसके पति राघव राम उम्र लगभग 58 वर्ष को बगल के ही जितेंद्र और उसके रिश्तेदार सुरेश ने लाठी डंडों से मार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था मामले में राघव राम के पुत्र महेश की शिकायत पर बीकापुर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा भी दर्ज किया था। बताया गया है कि लखनऊ मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान सोमवार मंगलवार की मध्य रात्रि 12:00 बजे के आसपास जय कला की मौत हो गई। परिजन शव घर ले आए और इसकी सूचना पुलिस को दे दी। मामले में सूचना पर पहुंचे कोतवाल बीकापुर लालचंद सरोज ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में कोतवाल लालचंद सरोज का कहना है कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जांच चल रही है। तो वहीं मंगलवार की सुबह 11.33 पर एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने बताया कि मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और कार्रवाई चल रही है। वही मंगलवार की शाम 5 बजे के आसपास राघवराम की भी मौत हो गई। बुधवार की सुबह दोनों दंपति के शव को लेकर परिजन भरतकुंड ले जाने की तैयारी में लगे है। पुलिस मौजूद रही।

मारपीट में घायल महिला की अस्पताल में हुई मौत, मौके पर पहुंची पुलिस

अश्वनी कुमार त्रिपाठी

उत्तर प्रदेशः भूमि विवाद में हत्याएं बीकापुर में रुकने का नाम नहीं ले रही है। बीकापुर कोतवाली के नुवावा बेदरा में राघव यादव के परिवार पर एक दिन पूर्व ईट भट्ठे के पास बाहर से आके रहने वाले निषाद बिरादरी के लोगों ने मारपीट कर राघव यादव और उसकी पत्नी सहित बच्चो को जमकर पिटा गया। जिससे गंभीर रूप में घायल राघव की पत्नी का अस्पताल में रात निधन हो गया है। सूचना मिलने के बाद मौके पर पुलिस पहुंची है। लेकिन सवाल यह उठता है कि आखिर जमीन विवाद जैसे मामले को पुलिस हल्के में क्यों ले रही है। गांव में पुलिस तैनात है। थाना बीकापुर क्षेत्रान्तर्गत दो पक्षो में हुए मारपीट में एक महिला को चोट आने जिसकी ईलाज के दौरान मृत्यु हो जाने के प्रकरण मे अयोध्या पुलिस द्वारा की जा रही कार्यवाही के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बलवंत कुमार चौधरी की बाईट।

अयोध्या जिले में भाजपा कार्यकर्ता के साथ हुई मारपीट , आवाज उठाने पर तानी गई पिस्टल

अमर प्रकाश/उत्तर प्रदेशः मया बाजार में भारतीय जनता पार्टी की बैठक में शामिल होने पहुंचे वरिष्ठ कार्यकर्ता चंद्रभूषण पांडेय को पूर्व मंडल अध्यक्ष अमर बहादुर सिंह गुड्डू ने थप्पड़ जड़ दिया, और लाइसेंसी रिवाल्वर निकालकर धमकाया। पीड़ित ने घटना की लिखित शिकायत पार्टी जिलाध्यक्ष सहित पुलिस से की है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस ने मुकदमा नहीं दर्ज किया है। घटना सोमवार को स्थानीय बाजार में थाना गेट के सामने राम-जानकी मंदिर की है। पीटे गए भाजपा नेता चन्द्रभूषण पान्डेय दल्लू का कहना है कि वह मंडल अध्यक्ष शत्रुघ्न मोदनवाल द्वारा बुलाई गई बैठक में भाग लेने पहुंचे तो वहां पूर्व मंडल अध्यक्ष अमर बहादुर सिंह गुड्डू मौजूद थे।

पहुंचते ही उन्होंने गाली देते हुए थप्पड़ जड़ दिया। अचानक हमले से वह सहम गए और बाहर की तरफ भागे तो वहां भी दौड़ाकर रिवाल्वर निकाल कर धमकाया। मामले को लेकर भाजपाइयों में काफी आक्रोश है। मालूम हो कि चंद्रभूषण पांडेय भाजपा के समर्पित व सम्भ्रांत कार्यकर्ता गिने जाते है। इस संदर्भ में थानाध्यक्ष राजेश सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है जांच की जा रही है। मंडल अध्यक्ष शत्रुघ्न मोदनवाल ने बताया कि घटना क्रम से जिला नेतृत्व को अवगत करा दिया गया है। आरोपी पर अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए पत्र भेजा जाएगा।

डॉ विक्रांत भूरिया ने देश में शिक्षा को लेकर केंद्र सरकार व देश में बीजेपी की राज्य सरकारों को घेरा

साबिर मोहम्मद मंसूरी

मध्य प्रदेशः आज दिल्ली में झाबुआ विधान सभा क्षेत्र के विधायक, कांग्रेस पार्टी के आदिवासी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ विक्रांत भूरिया ने केंद्र की बीजेपी सरकार व देश के बीजेपी शासित राज्यों की बीजेपी सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा की दलित, पिछड़े अल्पसंख्यकों हॉस्टलों में छात्रों के साथ एक गंदा खेल शुरू होता है कि अगर आप इखढ के लिए लड़ेंगे तभी आपको साफ पानी, शौचालय और पुस्तक जैसे अधिकार दिए जाएंगे। आदिवासी कांग्रेस के चेयरमैन @VikrantBhuria इस देश में 'समान न्याय' की नींव, समान शिक्षा के अधिकार पर टिकी हुई है। अगर हम बच्चों को समान शिक्षा नहीं दे सकते, तो हम देश में सामाजिक क्रांति नहीं ला सकते। आज के समय में सरकार रउ, रळ, डइउ वर्ग के बच्चों को शिक्षा से वंचित कर उनका शोषण कर रही है। जब राहुल गांधी जी दरभंगा के अंबेडकर हॉस्टल गए, तब उन्होंने यही देखा कि अच्छे खाने की सुविधा नहीं है टॉयलेट बहुत ही गंदी स्थिति में हैं, पीने के साफ पानी की व्यवस्था नहीं है, लाइब्रेरी में किताबों की सुविधा नहीं है छात्रों के लिए इंटरनेट की व्यवस्था नहीं है।

वर्षा प्रणाली सक्रिय होने से पहले आंधी-तूफान का पूवार्नुमान कहां है?

पराडिया अशोककुमार लवजीभाई

गुजरातः मौसम अगले सात दिनों तक तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं किसी भी तरह के बदलाव की संभावना नहीं है। मानसून के बारे में कहा गया है कि दक्षिण और देखें। अहमदाबाद गुजरात में कहीं भीषण गर्मी पड़ रही है तो कहीं बारिश हो रही है। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के मुताबिक गुजरात में अगले सात दिनों तक हालात ऐसे ही रहेंगे। मौसम विभाग ने यह भी कहा है कि गुजरातियों को अभी मानसून के लिए इंतजार करना होगा। मौसम विभाग के अहमदाबाद केंद्र के मौसम वैज्ञानिक प्रदीप शर्मा ने गुजरात के मौसम को लेकर भविष्यवाणी की है। जिसमें उन्होंने कहा है कि गुजरात में इस समय पश्चिमी हवाएं चल रही हैं और साथ ही नमी भी बनी हुई है, जिसके चलते अगले सात दिनों तक बारिश की संभावना है।

विभाग के मौसम मानचित्र के अनुसार 10, 11 और 12 जून को अमरेली, भावनगर, गिरसोमनाथ, दीव, तापी, डांग, नवसारी, वलसाड, दमन और दादरा नगर हवेली में छिटपुट स्थानों पर गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना दी गई है।16 तारीख को बारिश की तीव्रता बढ़ती दिख रही है. पोरबंदर, राजकोट, बोटाद, जूनागढ़, अमरेली,भावनगर, गिरसोमनाथ, दीव, आनंद, खेड़ा, अरावली, महिसागर, भरूच, वडोदरा, पंचमहल, दाहोद, सूरत, नर्मदा, छोटा उदेपुर, सूरत, तापी, डांग, नवसारी, वलसाड, दमन और दादरा नगर हवेली में छिटपुट स्थानों पर गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की गई है।

उत्तर प्रदेश: बदमाश के दाहिने पैर में गोली लगने से घायल अवस्था मे आरोपी को गिरफ़्तार किया गया

राकेश शर्मा

उत्तर प्रदेशः अवगत कराना है कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सहारनपुर के निर्देशन में अपराध नियंत्रण, वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी व गौकशी की घटनाओं की रोकथाम हेतु जनपदीय पुलिस द्वारा लगातार सघन चैकिंग गश्त की जा रही है। इसी क्रम में आज दिनांक 09/10.06.2025 की रात्रि को थाना प्रभारी सरसावा मय पुलिस टीम के साथ शाहजहांपुर फाटक से आगे चिलकाना रोड पर चैकिंग कर रहे थे तभी 02 व्यक्ति चिलकाना की तरफ से मोटरसाइकिल पर आते दिखाई दिये पुलिस टीम को देखकर पीछे मुडकर वापस चिलकाना की तरफ जाने लगे ।

पुलिस टीम द्वारा पीछा करने पर बिन्ना खेडी मोड़ के सामने हैदरपुर जंगल में मोटरसाइकिल अनियन्त्रित होकर गिर जाने पर मोटरसाइकिल सवार व्यक्तियों द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से की गयी।

आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग में 01 बदमाश के दाहिने पैर में गोली लगने से घायल अवस्था मे गिरफ्तार किया गया। घायल बदमाश की पहचान ,असद उर्फ हसद उर्फ मुरसलीम पुत्र अब्बल उर्फ हमीद निवासी ग्राम खानपुर थाना गंगोह हाल निवासी ग्राम कुम्हार हेड़ा थाना सरसावां जिला सहारनपुर के रुप मे हुई तथा दूसरा अभियुक्त अंधेरे व जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गया जिसकी तलाश हेतु कांबिंग की जा रही है । अभियुक्त को घायल बदमाश को ईलाज हेतू अस्पताल मे भर्ती कराया गया है। गिरफ्तार घायल अभियुक्त के कब्जे से ,01 तमंचा 315 बोर , 02 जिंदा/02 खोखा कारतूस 315 बोर, गौकशी के उपकरण व 01 मोटर साइकिल ल्ल्रफ़ डिलक्स बिना नम्बर बरामद हुयी । अभियुक्तगण थाना सरसावा पर पंजीकृत मु0अ0सं0-180/25 धारा 109/3(5) बीएनएस में वांछित हैं। अभियुक्त असद उपरोक्त के आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

बाबा भगवत राय डिग्री कॉलेज तेलुआ के 11वें स्थापना दिवस का हुआ आयोजन

दिलीप कुमार

बिहारः बाबा भगवत राय डिग्री कॉलेज तेलुआ के 11वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कई गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर माननीय सांसद डॉ. संजय जायसवाल, माननीय विधायक नारायण प्रसाद, जिला अध्यक्ष रूपक कुमार श्रीवास्तव सहित कई शिक्षाविद् और सम्मानित लोग उपस्थित थे। वहीं नितेश कुमार गुप्ता ने बताया कि हम सभी छात्रों को अपनी विशेष भूमिका निभाने की कोशिश करनी होगी।

कार्यक्रम की विशेषताएंः

- स्थापना दिवस के अवसर पर कॉलेज की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा हुई। - गणमान्य अतिथियों ने छात्रों को संबोधित किया और उन्हें शिक्षा और व्यक्तिगत विकास के महत्व के बारे में बताया।

- कार्यक्रम में कॉलेज की गतिविधियों और छात्रों की प्रतिभा का प्रदर्शन भी किया गया।

इस तरह के आयोजनों से कॉलेज के छात्रों और शिक्षकों को प्रेरणा मिलती है और उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

गाजीपुर के ट्रांसफार्मर में लगी आग, चार वार्डों की बिजली आपूर्ति ठप

विकास कुमार सिंह

उत्तर प्रदेशः गाजीपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में मंगलवार की रात करीब 11:30 बजे 400 केवीए के ट्रॉली ट्रांसफार्मर में भीषण आग लगने से क्षेत्र के कई वार्डों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई। आग की लपटें इतनी भीषण थीं कि उन्हें दूर-दूर तक देखा गया, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। जानकारी के अनुसार, दो दिन पूर्व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में लगा ट्रांसफार्मर जल गया था, जिसके बाद वैकल्पिक व्यवस्था कर बिजली विभाग ने ट्रॉली ट्रांसफार्मर लगवा कर आपूर्ति बाधित नहीं होने दी, लेकिन मंगलवार रात करीब 11:30 बजे ट्रांसफार्मर में तकनीकी खराबी आने के कारण उसमें से तेज धमाका के साथ आग लग गई।

स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग और फायर ब्रिगेड को घटना की सूचना दी, जिसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक ट्रांसफार्मर पूरी तरह जल चुका था। वही जिस टॉली में ट्रांसफार्मर रखा था उसके टायर सहित टॉली का प्लेटफार्म भी जल गया। इस घटना के कारण नगर के लोदीपुर, चांदपुर, चौधरी मोहल्ला आदि के करीब 300 घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है।

गर्मी के इस मौसम में घरेलू उपभोक्ताओं के साथ दुकानदारों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही बिजली विभाग के जेई बुधवार को मौके पर पहुंचे और क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मर का निरीक्षण किया। इस संबंध में जेई इंद्रजीत पटेल ने बताया कि जले हुए ट्रांसफार्मर के स्थान पर नया ट्रांसफार्मर लगवाया जा रहा है और विद्युत आपूर्ति देर शाम तक बहाल कर दी जाएगी। ताकि उपभोक्ताओं को परेशानी न हो।

सम्पादकीय

‘अच्छे दिन’ का इंतजार है

प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार ने 9 जून को सत्ता में 11 साल पूरे कर लिए हैं। लोकतंत्र में यह महत्वपूर्ण जनादेश और सरकारी स्थिरता का प्रतीक है। प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बाद प्रधानमंत्री मोदी का कार्यकाल सबसे लंबा है। उनके मौजूदा कार्यकाल के अभी चार साल शेष हैं। भारत में प्रत्येक प्रधानमंत्री प्रशंसा और साधुवाद का पात्र है, क्योंकि आबादी 50 करोड़ रही हो अथवा अब 146 करोड़ से अधिक, विश्व में सर्वाधिक आबादी है, उनकी अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को संतोषजनक रूप से संबोधित करना, हल करने का प्रयास करना, बेहद मुश्किल काम है। बहरहाल मौजूदा मोदी सरकार का प्रथमद्रष्ट्या आकलन करें, तो यकीनन ये बदलाव, विकास और विस्तार के 11 साल हैं। कांग्रेस का इन्हें ‘नाकामियों के 11 साल’ करार देना स्वाभाविक है, क्योंकि वह प्रमुख विपक्षी दल है, लेकिन इतने लंबे सालों के बाद आज भी ‘अच्छे दिनों’ का इंतजार है। मोदी सरकार के अनुच्छेद 370 निरस्त करने, तीन तलाक का कानून बनाने, उज्ज्वला योजना, हर नल में जल, महिला वंदन अधिनियम, कश्मीर में दुनिया का सबसे ऊंचे, 359 मीटर, केबल स्टे रेलवे पुल बनवाने और चांद पर सफलता से उतरने से लेकर नोटबंदी, कोरोना तालाबंदी, तीन कृषि कानून, आर्थिक असमानताओं, बेरोजगारी, महंगाई, कुपोषण आदि तक सरकार ने सफलताएं भी अर्जित की हैं और नाकाम भी साबित हुई है, लेकिन सरकार की सक्रियता निरंतर रही है। यकीनन घर-घर शौचालय बनवाना सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक बदलाव का प्रतीक है। भारत 1947 में आजाद हुआ था। तब से 2014 तक देश की जीडीपी 2 ट्रिलियन डॉलर थी, लेकिन इन 11 सालों के दौरान कुल जीडीपी 4.187 ट्रिलियन डॉलर हो गई और भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। यह मोदी सरकार का करिश्मा नहीं है, बल्कि देश की बढ़ती आबादी का ‘आउटपुट’ है। जीडीपी का बुनियादी आधार जनसंख्या होती है, लेकिन चौथी अर्थव्यवस्था वाले देश की प्रति व्यक्ति आय 2.31 लाख रुपए है। विश्व की सर्वोच्च 10 अर्थव्यवस्था वाले देशों में भारत की प्रति व्यक्ति आय सबसे कम है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की हालिया रपटों में खुलासा किया गया है कि भारत में करीब 27 करोड़ लोग ‘अत्यधिक गरीबी’ से बाहर आए हैं। नतीजतन गरीबी की औसत दर 5 फीसदी से कुछ ज्यादा तक लुढक आई है। जो रोजाना 250 रुपए के करीब खर्च कर सकता है, उसे ‘गरीब घर’ आंका गया है। आईएमएफ और विश्व बैंक की रपटों को नकारा नहीं जा सकता, लेकिन बार-बार यह सवाल उठता रहा है कि यदि भारत सरकार करीब 81 करोड़ ‘गरीब भारतीयों’ को हर माह ‘मुफ्त राशन’ नहीं बांटेगी, तो क्या वे भूखों मर जाएंगे? भारत में गरीबी-रेखा के आधार और परिभाषाएं भिन्न हैं, लिहाजा आरएसएस का ‘स्वदेशी जागरण मंच’ अब भी स्वीकार करता है कि देश में करीब 11 करोड़ लोग ‘गरीबी रेखा के नीचे’ हैं।

भारत में यह आर्थिक विरोधाभास कब खत्म होगा? या इसे खत्म किया ही नहीं जा सकता? बेशक भारत ने विकास किया है, नतीजतन 11 साल की औसत आर्थिक विकास दर 6.4 फीसदी है। यह विश्व में सर्वाधिक है। भारत में नक्सलवाद अंतिम सांसें गिन रहा है, पूर्वोत्तर राज्यों में उग्रवाद नगण्य है और जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक चुनाव के बाद लोगों की अपनी सरकार अस्तित्व में है। अलगाववाद का सफाया हो चुका है। आतंकवाद के अवशेष अब भी हैं, लेकिन कश्मीर में आमूल परिवर्तन आया है। सवाल बुलेट ट्रेन, स्मार्ट सिटी, स्टार्टअप, स्टैंड अप, मैन्यूफैक्चरिंग, निर्यात को लेकर अब भी हैं। भारत के मात्र 18 शहर इन 11 सालों में कथित रूप से ‘स्मार्ट सिटी’ की परिभाषा के दायरे में आ पाए हैं। देश के कई हिस्सों में नल के पाइप आदि तो दिखाई देते हैं, लेकिन उनमें जल अब भी गायब है, लेकिन देश में विकास का विस्तार जरूर हुआ है। औसतन 35 किमी हररोज सडक और राजमार्ग बन रहे हैं। अलबत्ता ‘अच्छे दिनों’ के लिए प्रतीक्षारत जरूर हैं।

भारत: आत्म बल से आगे बढ़ता राष्ट्र

-प्रो. महेश चंद गुप्ता-

भारत ने हाल ही में जिस ‘ऑपरेशन सिंदूर’ को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है, वह केवल एक सैन्य ऑपरेशन नहीं बल्कि उसकी रणनीतिक सोच, वैश्विक दृष्टिकोण और राष्ट्र की सामूहिक ताकत का प्रतीक बन गया है। इस ऑपरेशन की सफलता ने भारत को एक बार फिर यह साबित करने का मौका दिया कि वह केवल एक बड़ी जनसंख्या या पुरातन संस्कृति वाला देश नहीं बल्कि एक रणनीतिक, तकनीकी और सैन्य शक्ति भी है जो वैश्विक समीकरणों को प्रभावित करने में सक्षम है। भारत अब आत्म बल से आगे बढ़ता हुआ राष्ट्र है।

भारत की बढ़ती शक्ति और वैश्विक पहचान देशवासियों के लिए गौरव का विषय है। ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की रक्षा क्षमता को दुनिया के सामने एक बार फिर मजबूती से प्रस्तुत किया है। संदेश स्पष्ट है कि भारत अपनी ताकत का प्रयोग केवल आवश्यकता पड़ने पर करता है लेकिन जब करता है तो पूरी सटीकता और सफलता के साथ करता है। इस अभियान के बाद अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजरें भारत की ओर टिक गई हैं। अमेरिका और चीन जैसे वैश्विक शक्ति केंद्रों को अब यह समझ आने लगा है कि भारत केवल उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि एक संभावित नेतृत्वकर्ता राष्ट्र है जो ‘वसुधैव कुटुम्बकम’ के सिद्धांत के साथ आगे बढ़ रहा है।

भारत की सोच केवल अमेरिका या चीन की बराबरी करने की नहीं है बल्कि उनसे आगे निकलने और विश्वगुरु के रूप में स्थापित होने की है। ऑपरेशन सिंदूर की सबसे रोचक बात यह रही कि इससे भारतीय राजनीति में भी एक नई चेतना का संचार हुआ। ओवैसी और शशि थरूर जैसे जो नेता पहले सरकार विरोधी माने जाते थे, उन्होंने भी इस ऑपरेशन की सराहना की और राष्ट्रहित को सर्वोपरि माना। इन नेताओं ने भारतीय प्रतिनिधि मंडल के सदस्य के रूप में विश्व के विभिन्न देशों में जा कर जिस मजबूती से भारत का पक्ष रखा और पाकिस्तान को बेनकाब किया है, उससे यह स्पष्ट हुआ कि जब बात देश की सुरक्षा और प्रतिष्ठा की होती है, तो राजनीतिक मतभेद पीछे छूट जाते हैं और ‘भारत पहले’ की भावना सर्वोपरि हो जाती है।

यह राष्ट्रवाद का वही रूप है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक से भारतीय जनमानस में गहराता गया है। 2014 से जो राष्ट्र निर्माण की लहर शुरू हुई, वह अब स्पष्ट परिणाम देने लगी है। भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था ने उसे वैश्विक निवेश और तकनीकी साझेदारी का केंद्र बना दिया है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के साथ-साथ भारत ने तकनीकी मोर्चे पर भी बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं।

कश्मीर में बना चिनाब नदी पर दुनिया का सबसे ऊंचा चिनाब रेलवे ब्रिज केवल एक निर्माण परियोजना नहीं बल्कि इंजीनियरिंग कौशल और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का आश्चर्यजनक नमूना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिनाब ब्रिज के साथ श्रीनगर के लिए पहली वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर लंबे अरसे से देखे जा रहे सपने को साकार कर दिया है। इसी के साथ कश्मीर देश के बाकी हिस्सों से जुड़ गया है। अब कश्मीर से कन्याकुमारी तक सीधी ट्रेन यात्रा संभव हो सकेगी। यह जम्मू और कश्मीर के डोगरा राजा महाराजा प्रताप सिंह का सपना था, जिन्होंने 1880 के दशक के अंत में इस मार्ग की कल्पना की थी और सर्वेक्षण के लिए ब्रिटिश इंजीनियरों को लगाया था। कश्मीर घाटी के लोगों के लिए ये ट्रेन न सिर्फ हर मौसम में आने-जाने के लिए एक भरोसेमंद साधन बन गई है बल्कि इससे इलाके में पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा मिलने की भी उम्मीद है। इससे पहले अप्रेल में मोदी ने तमिलनाडु के रामेश्वरम में भारत के पहले वर्टिकल लिफ्ट पंबन सी ब्रिज का उद्घाटन किया था। समुद्र के ऊपर बना यह रेलवे ब्रिज अतीत और भविष्य को जोड़ता है। भारत में अब राफेल लड़ाकू विमानों के मुख्य ढांचे का निर्माण हैदराबाद में किया जाएगा जो कि ‘मेक इन इंडिया’ पहल की एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इसके लिए टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड और फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन के बीच हुआ एग्रीमेंट बताता है कि अब भारत केवल आयातक नहीं बल्कि रक्षा उत्पादों का निमार्ता और निर्यातक भी बन रहा है।

‘टेकऑफ से पहले अंत: 242 ज़िंदगियाँ और एक सवालों से भरा आसमान’

-प्रियंका सौरभ-

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। एयर इंडिया ने पीड़ित परिवारों के लिए 50 लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की है और केंद्र सरकार ने उच्च स्तरीय जाँच के आदेश दिए हैं। लेकिन इतिहास बताता है कि अधिकतर मामलों में ऐसी जाँच रिपोर्टें महीनों तक लंबित रहती हैं, और अंततः भूल दी जाती हैं। यह जरूरी है कि इस बार न केवल हादसे के कारणों की निष्पक्ष जाँच हो, बल्कि यह भी पता लगाया जाए कि क्या यह हादसा रोका जा सकता था।

अहमदाबाद की सुबह सामान्य थी। लोग अपनी-अपनी दिनचर्या में व्यस्त थे। किसी ने नहीं सोचा था कि यह दिन भारत की नागरिक उड्डयन प्रणाली पर एक गहरा धब्बा छोड़ जाएगा। 12 जून 2025 को एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171, जो अहमदाबाद से लंदन के गैटविक एयरपोर्ट के लिए उड़ान भर रही थी, टेकऑफ के कुछ ही मिनटों बाद क्रैश हो गई। यह हादसा न केवल 242 ज़िंदगियों को लील गया, बल्कि एक पूरे राष्ट्र की आत्मा को भी झकझोर गया।

इस विमान में 230 यात्री और 12 क्रू मेंबर थे। सभी की अपनी-अपनी कहानियाँ थीं। कोई पहली बार विदेश जा रहा था, किसी को बेटी की शादी में शामिल होना था, कोई नौकरी के लिए लंदन रवाना हो रहा था, तो कोई सिर्फ. अपने बेटे से मिलने। किसी ने शायद दरवाजा बंद करते समय पीछे मुड़कर देखा हो, किसी ने आखिरी बार ‘फोन करना’ कहा हो। लेकिन इस बार किसी को मौका नहीं मिला।

दुर्घटना स्थल मेघानी नगर का वो इलाका है जहाँ एक मेडिकल छात्रावास भी स्थित है। विमान का बड़ा हिस्सा उसी हॉस्टल पर गिरा, जिससे वहाँ रह रहे छह छात्र भी मौत के मुँह में समा गए। ये वो बच्चे थे जो भविष्य में किसी की जान बचा सकते थे। दुर्भाग्य देखिए, उनकी अपनी जानें ही नहीं बच सकीं। घटनास्थल की तस्वीरें जितनी भयानक थीं, उससे कहीं अधिक भयावह थी वहाँ बिखरी चप्पलें, जलते बैग, अधजली फाइलें और धुएँ में खोते चेहरे। किसी मोबाइल की स्क्रीन पर शायद अभी भी ममता का ‘मिस्ड कॉल’ दिख रहा होगा, किसी के फोन में व्हाट्सऐप पर अब भी "लैंड करते ही मेसेज करना" लिखा होगा। किसी हादसे में मर जाना एक बात है, लेकिन बिना अलविदा कहे दुनिया छोड़ जाना एक अकल्पनीय दुःख होता है। एयर इंडिया के इस ड्रीमलाइनर विमान को ‘आधुनिकतम सुरक्षा तकनीक’ से लैस बताया जाता था। ड्रीमलाइनर 787 को उड्डयन जगत में विश्वसनीय माना जाता है। फिर सवाल उठता है—कैसे हुआ ये हादसा? क्या विमान में पहले से कोई तकनीकी गड़बड़ी थी? क्या मेंटेनेंस में लापरवाही बरती गई? या फिर यह एक दुर्भाग्यपूर्ण संयोग था?

कैप्टन सुमीत सबरवाल, जो इस विमान को उड़ा रहे थे, वे 8200 घंटे के उड़ान अनुभव वाले वरिष्ठ पायलट थे। उनके साथ सह-पायलट क्लाइव कुन्दर भी थे, जिनके पास भी पर्याप्त उड़ान अनुभव था। दोनों ने आखिरी क्षण तक विमान को कंट्रोल करने की कोशिश की। ब्लैक बॉक्स से मिली रिकॉर्डिंग में कैप्टन की अंतिम आवाज दर्ज हुई है, जिसमें उन्होंने ‘मेडे’ कॉल दिया और विमान की ऊँचाई तेजी से गिरने की सूचना दी। इससे यह स्पष्ट होता है कि विमान ने अचानक ही कंट्रोल खो दिया और समय बहुत कम था। प्रशासन ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू करने में देर नहीं की। दमकल विभाग, NDRF, पुलिस और स्थानीय नागरिक मौके पर पहुँचे और मलबे से शव निकालने में जुट गए। लेकिन असली त्रासदी तो तब शुरू हुई जब अस्पतालों के बाहर परिजनों की चीखें सुनाई देने लगीं। जो लोग कुछ घंटे पहले तक हँसी-खुशी से अपनों को एयरपोर्ट छोड़कर आए थे, अब वे अस्पतालों में राख की थैलियाँ पहचान रहे थे।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। एयर इंडिया ने पीड़ित परिवारों के लिए 50 लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की है और केंद्र सरकार ने उच्च स्तरीय जाँच के आदेश दिए हैं। लेकिन इतिहास बताता है कि अधिकतर मामलों में ऐसी जाँच रिपोर्टें महीनों तक लंबित रहती हैं, और अंततः भूल दी जाती हैं। यह जरूरी है कि इस बार न केवल हादसे के कारणों की निष्पक्ष जाँच हो, बल्कि यह भी पता लगाया जाए कि क्या यह हादसा रोका जा सकता था।

यह केवल तकनीकी विफलता नहीं है, यह हमारी प्रणाली की असफलता भी है। DGCA (नागरिक उड्डयन महानिदेशालय) की क्या भूमिका थी? क्या विमान के उड़ान भरने से पहले समुचित परीक्षण हुआ था? क्या ग्राउंड स्टाफ ने किसी गड़बड़ी की अनदेखी की थी? ये सारे सवाल अब जनता के हैं, और जवाब भी जनता को ही चाहिए।

हादसों के बाद हम अक्सर संवेदनाएं प्रकट करते हैं, मोमबत्तियाँ जलाते हैं, सोशल मीडिया पर पोस्ट डालते हैं और फिर भूल जाते हैं। लेकिन इस बार कुछ बदलना होगा। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि एक चेतावनी है। यह हमें बताता है कि आधुनिक तकनीक और चमकदार हवाई जहाज भी अगर सिस्टम की लापरवाही के साथ उड़ें, तो वे केवल उड़ान नहीं, अंत बन जाते हैं।

कई परिवार ऐसे हैं जिनका एकमात्र कमाने वाला सदस्य इस हादसे में चला गया। कुछ ऐसे हैं जिनके तीन-तीन सदस्य एकसाथ उड़ान पर थे और अब उनकी कोई स्मृति शेष नहीं। एक 6 साल की बच्ची की तस्वीर वायरल हो रही है जो अपने दादा-दादी के साथ पहली बार विदेश जा रही थी। अब उसकी गुलाबी गुड़िया राख में मिली है। एक नवविवाहिता, जो ससुराल के लिए रवाना हुई थी, अब ताबूत में लौटेगी। ये केवल आँकड़े नहीं, इंसानी कहानियाँ हैं—जिन्हें हमें कभी नहीं भूलना चाहिए।

इस हादसे के बाद हमें दो काम जरूर करने चाहिए—पहला, पीड़ित परिवारों को हर संभव सरकारी, कानूनी और मानसिक सहायता दी जाए। और दूसरा, यह सुनिश्चित किया जाए कि भारत की कोई भी उड़ान, अगली बार उड़ने से पहले सौ बार जाँची जाए।

एक कविता पंक्ति याद आती है—

"जो उड़ने चले थे सितारे बन के, वो राख में अब निशान बन के रह गए।"

हमारे लिए यह समय केवल शोक का नहीं, उत्तरदायित्व का भी है। यदि हम सिर्फ दुःख मना कर चुप हो जाएँगे, तो ये हादसे फिर होंगे। हवाई यात्रा अब केवल सुख-सुविधा की बात नहीं रही, यह अब सुरक्षा और जीवन की सबसे बड़ी चुनौती बनती जा रही है।

हमें इस बात की भी चिंता करनी होगी कि क्या भारत में नागरिक उड्डयन का निजीकरण और कम लागत की प्रतिस्पर्धा यात्रियों की सुरक्षा से समझौता करवा रही है? क्या पायलटों की थकावट, टेक्निकल स्टाफ की कमी और मुनाफे की भूख ऐसी त्रासदियाँ जन्म दे रही हैं?

राहुल को पार्टी में मजबूत नेतृत्व दिखाना होगा!

-शकील अख्तर-

कांग्रेस की यह बहुत बड़ी सच्चाई है कि इसके नेता किसी के सगे नहीं होते हैं। इन्हें सिर्फ सत्ता दिखती है। निजी लाभ। इसके लिए वे किसी से भी धोखा कर सकते हैं। यह राजा रजवाड़ों वाला खेल है कि कमजोर हुए कि दरबारियों ने की बगावत। 11 साल हो गए सत्ता से बाहर हुए, कांग्रेसियों में बहुत बैचेनी है। राहुल में बहुत मानवीय गुण हैं। मगर यहां मुकाबला मजबूती का है। मजबूत नेतृत्व दिखाने का।

मनीष तिवारी सफाइयां दे रहे हैं। क्यों? क्योंकि पंजाब जहां वे राजनीति करते हैं वहां भाजपा की कोई जमीन नहीं है। पंजाब में अगर राजनीति करना है तो सम्मान के साथ रहने की एक ही जगह है और वह है कांग्रेस। मुख्यमंत्री रहे दो बार कैप्टन अमरिन्दर सिंह भाजपा में जाकर खत्म हो गए। बलराम जाखड़ के लड़के सुनील जाखड़ जो पंजाब प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष रहे भाजपा में जाकर शून्य हो गए। इसलिए मनीष तिवारी को बिना कांग्रेस से पूछे उन लोगों के साथ विदेश जाने, जो वहां से रोज कांग्रेस को गालियां देते थे निशिकांत दुबे अब अपने जाने को जस्टिफाई करना (उचित ठहराना) पड़ रहा है।

मंगलवार की शाम प्रधानमंत्री मोदी ने डिनर में कांग्रेस के नेताओं के साथ कैमरे के सामने सबसे ज्यादा समय बिताया। जो फोटो वीडियो वहां से आए उनमें खुद बीजेपी के नेता और उसके सहयोगी दलों के नेता नहीं दिख रहे हैं। बल्कि शशि थरूर, सलमान खुर्शीद, आनंद शर्मा, मनीष तिवारी और मोदी द्वारा काफी समय से भुलाए रखने के बाद अभी विदेश जाने के लिए मुस्लिम नेता की जरूरत पड़ने से याद किए गए गुलामनबी आजाद ही हाईलाइट किए जा रहे हैं। ये सब वे नेता हैं जिन्हें कांग्रेस ने सब कुछ दिया। लेकिन इनकी तृष्णा खतम नहीं हुई। सब अनुभवी नेता हैं तो जानते हैं कि वहां मोदी जी देंगे कुछ नहीं और अपमान ज्यादा होगा। इसलिए कांग्रेस में रहकर मोदी जी का काम करना ज्यादा बेहतर है। कांग्रेस के बारे में इन्हें पता है कि बहुत ढीला ढाला संगठन है इनके खिलाफ कुछ नहीं करेगा।

बिल्कुल सही समझते हैं। अभी जब हम यह लिख रहे हैं कांग्रेस ने लक्ष्मण सिंह को पार्टी से 6 साल के निकाल दिया। दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह पूर्व सांसद रहे हैं। भाजपा में जा चुके हैं। उनकी कोई अपनी पहचान नहीं है। न राजनीति में कोई महत्व। वही दिखाने के लिए उन्होंने पहलगाम हमले के बाद उमर अब्दुल्ला और राहुल गांधी के खिलाफ बयान दिया था। ऐसे बयान की कांग्रेस में अनदेखी होती रही हैं। नहीं तो

इससे कई गुना भयानक बयान सलमान खुर्शीद दे चुके हैं कि बटला हाउस एनकाउन्टर के बाद सोनिया गांधी रो रही थीं। और भी तमाम बिना सिर पैर की बातें जैसे फिर राहुल को खुश करने के लिए कहा कि मुझे उनमें राम दिखाई देते हैं। और फिर उनके मित्र आचार्य प्रमोद ने कहा कि उन्हें सलमान खुर्शीद के दिल में राम दिखाई देते हैं।

जाने क्या क्या? खाली इन कांग्रेस के चार पांच चेहरों पर ही लिख दें तो पूरी किताब हो जाएगी। सलमान का उदाहरण दे रहे थे तो यह भी बता दें कि मौखिक बयान अपनी जगह हैं लेकिन किताब में लिखना बड़ी बात है। सलमान ने अपनी किताब ह्यसनराइज ओवर अयोध्याह्न में हिन्दुत्व की तुलना आतंकवादी संगठनों से की थी। यह भी कह चुके हैं कि मुसलमानों के खून से कांग्रेस के भी हाथ रंगे हुए हैं। और अभी विदेशी दौरे पर इंडोनेशिया में यह कहा कि 370 हटने के बाद कश्मीर में खुशहाली आई है जो कुछ लोगों को अच्छी नहीं लग रही।

पहलगाम हमले के बाद खुशहाली की बात करना! और चलो आपके हिसाब से है भी तो कटाक्ष किस पर? कांग्रेस पर! मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पर! तो कह यह रहे थे कि कांग्रेस इन लोगों को नहीं निकालती। लक्ष्मण सिंह को निकालती है। जिनका कोई वजूद नहीं है। एक मात्र पहचान दिग्वजय सिंह के छोटे भाई की है। इन पर कार्रवाई करने से क्या होगा?

अगर करना है तो शशि थरूर और मनीष को तो अभी लोकसभा में जिताया उन्हें छोड़ दीजिए नहीं तो दल बदल कानून के तहत वे पार्टी से निकल कर भी अपनी लोकसभा सीट बचा लेंगे। लेकिन सलमान खुर्शीद और आनंद शर्मा को तो तुरंत पार्टी से निकाल देना चाहिए। देखें भाजपा क्या देती है। पद ओहदा छोड़

दीजिए। सम्मान देखिए कितना मिलता है ? अभी कांग्रेस में हैं तो मोदी जी डिनर में खिलखिलाते हुए कर मिल रहे थे हाथ मिला रहे थे नहीं तो शिवराज सिंह चौहान को देख लीजिए करीब बीस साल मुख्यमंत्री रहे अभी केन्द्रीय मंत्री हैं। मगर हाथ मिलाना तो दूर मोदी जी कभी खिलखिलाते कर भी नहीं मिलते। दूसरे केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जो जब कांग्रेस में थे तो राहुल की प्लेट से उठाकर खाते थे। सोनिया गांधी और प्रियंका के साथ परिवार की तरह अधिकार से बैठते थे। आज मोदी जी छोड़िए अमित शाह के सामने भी सिर उठाकर खड़े नहीं हो पाते।

कांग्रेस में बहुत खराबियां होंगी मगर उसका नेतृत्व सबको समान सम्मान देता है। अभी मनीष का जिक्र कर रहे थे। मनीष के पिताजी को इन्दिरा गांधी ने राज्यसभा दी थी। राजनीति में नहीं थे शिक्षा के क्षेत्र में थे। और राजीव गांधी ने 1989 के लोकसभा चुनाव में युवा मनीष को दूसरे राज्य उत्तरप्रदेश से टिकट दे दी थी। कानपुर देहात से। गुलाम नबी आजाद का तो शायद पहले भी बताया है इन्दिरा गांधी ने 1980 में उन्हें सीधे महाराष्ट्र से लड़वाकर जीता दिया था। 1989 में राजीव गांधी कमजोर हो गए थे तो स्थानीय कांग्रेसियों ने कानपुर देहात से बाहरी उम्मीदवार कहकर मनीष को फार्म ही नहीं भरने दिया गया था।

राहुल गांधी को यह बात भी समझना चाहिए ये कांग्रेसी अगर परिवार भी कमजोर हो जाता है तो उसे भी नहीं बख्शता! खुद को मजबूत रखना और दिखाना बहुत जरूरी है। इन्दिरा जी भी जब 1977 का चुनाव हार गई थीं तो जगजीवन राम, हेमवतीनंदन बहुगुणा जैसे नेता उनका साथ छोड़ गए थे। सोनिया गांधी के खिलाफ राजीव के खास रहे जीतेन्द्र प्रसाद कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव लड़ गए थे।

कांग्रेस की यह बहुत बड़ी सच्चाई है कि इसके नेता किसी के सगे नहीं होते हैं। इन्हें सिर्फ सत्ता दिखती है। निजी लाभ। इसके लिए वे किसी से भी धोखा कर सकते हैं। यह राजा रजवाड़ों वाला खेल है कि कमजोर हुए कि दरबारियों ने की बगावत। 11 साल हो गए सत्ता से बाहर हुए, बहुत बैचेनी है। हालांकि यह समय मोदी के लिए अनुकूल नहीं चल रहा है। लेकिन वे लगातार कोशिशें कर रहे हैं। 2011 के बाद जिस तरह कांग्रेस ने हाथ पांव डाल दिए थे वैसे मोदी ने नहीं डाले। मंगलवार की शाम का डिनर इसीलिए था।

‘पेसा’ से लागू होगा सरना धर्म कोड

-सुधीर पाल-

झारखंड की राजनीति इन दिनों एक ऐसे विषय के इर्द-गिर्द घूम रही है, जिसे अगर ठीक से समझा जाए तो यह न केवल राज्य की सांस्कृतिक अस्मिता का प्रश्न है, बल्कि देश की लोकतांत्रिक आत्मा के लिए भी एक कसौटी-परीक्षण है। हम बात कर रहे हैं सरना धर्म कोड की-एक मांग जो आदिवासी समुदाय की धार्मिक पहचान, परंपरा और आत्मनिर्णय से जुड़ा है। बिडम्बना है कि यह गंभीर मुद्दा एक बार फिर राजनीतिक गलियारों में भावनात्मक शस्त्र के रूप में इस्तेमाल हो रहा है।

सरकार हो या विपक्ष, दोनों ही सरना धर्म कोड विषय पर मौकापरस्त रवैया अख्तियार किए हुए हैं। राज्य सरकार केंद्र सरकार को दोष देती है, और केंद्र सरकार इसे तकनीकी प्रक्रिया बता कर टालती रही है। यह विषय केवल जनगणना के एक कॉलम भर की बात नहीं है, बल्कि आदिवासी अस्मिता, धार्मिक स्वतंत्रता और संविधान द्वारा प्रदत्त आत्म-निर्णय के अधिकार से गहराई से जुड़ा है। लेकिन बड़ा सवाल है-क्या इस पूरे विमर्श में कहीं पेसा 1996 को देखा गया है? क्या पेसा कानून, जिसे आदिवासी स्वशासन की आत्मा माना जाता है, इस मुद्दे का वैकल्पिक समाधान प्रस्तुत नहीं करता?

झारखंड के आदिवासी समुदाय लंबे समय से एक अलग धर्म पहचान की मांग करते आ रहे हैं जिसे वे सरना धर्म के नाम से जानते हैं। यह धर्म प्रकृति पूजक है, जिसकी मान्यताएँ जंगल, पहाड़, नदी और पुरखों की आत्मा से जुड़ी हैं। सरना धर्म कोड की मांग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जनगणना प्रपत्र में एक स्वतंत्र धर्म कॉलम हो, जहाँ आदिवासी समुदाय खुद को हिंदू, ईसाई या किसी अन्य धर्म की श्रेणी में जबरन फिट करने के बजाय, अपनी वास्तविक धार्मिक पहचान के साथ अंकित कर सकें।

भारत की जनगणना प्रणाली में आदिवासियों को स्पष्ट रूप से धार्मिक रूप से पहचानने की कोई स्वतंत्र व्यवस्था नहीं रही है। इसका परिणाम यह होता है कि उन्हें आमतौर पर हिंदू या ईसाई मान लिया जाता है, जिससे उनके धार्मिक अस्तित्व को अनदेखा किया जाता है। आदिवासियों का यह दावा रहा है कि उनकी धार्मिक पहचान किसी स्थापित धर्म से मेल नहीं खाती। सरना धर्म वास्तव में एक प्राकृतिक धर्म है जो प्रकृति के साथ सहअस्तित्व और पूर्वजों की आत्मा की उपासना पर आधारित है।

केंद्र सरकार की विचारधारा

भारत सरकार विशेष रूप से वर्तमान शासन के दौरान आदिवासी आस्था पद्धतियों को सनातन धर्म की उप-धारा मानती रही है। उनके अनुसार, चूंकि आदिवासी भी हिंदुओं की तरह पेड़-पौधों, पत्थर, नदी, झरने, देवी-देवताओं की पूजा करते हैं, इसलिए वे हिंदू धर्म के ही अंग हैं। यह मान्यता आदिवासी धार्मिक स्वतंत्रता और पहचान की स्वायत्तता के बिलकुल खिलाफ है।

सरना धर्म न तो मूर्तिपूजक है, न ही वह वेदों या शास्त्रों पर आधारित है। उसकी पहचान स्थानीय परंपराओं, प्रकृति और सामुदायिक पूजा में है। इसलिए जब सरकार यह मानती है कि सरना, सनातन का ही रूप है, तो वह आदिवासी समाज की धार्मिक स्वायत्तता का हनन करती है।

सरना अनुयायियों का तर्क है कि उनकी पूजा-पद्धति में कोई संगठित मंदिर, पुरोहित व्यवस्था या धार्मिक ग्रंथ नहीं होते, जो कि ब्राह्मणवादी ढांचे से अलग है। यह भिन्नता केवल सांस्कृतिक नहीं बल्कि धार्मिक और वैधानिक रूप से भी विशिष्ट है।

पेसा और सरना धर्म कोड का अंतसंबंध

इसी पृष्ठभूमि में पेसा अधिनियम 1996 एक वैधानिक विकल्प और संभावित मार्ग के रूप में उभरता है। पेसा, संविधान के 73वें संशोधन के बाद अनुसूचित क्षेत्रों में समुदायों को विशेष अधिकार देने के लिए लाया गया था। इस कानून की धारा 4(डी) की मान्यता हैः

हर ग्रामसभा को यह अधिकार होगा कि वह अपने क्षेत्र की परंपरा, रिवाज, उपासना पद्धति और धार्मिक विश्वासों का संरक्षण, संवर्धन और दस्तावेजीकरण कर सके। यहां तीन शब्द अत्यंत महत्वपूर्ण हैं:

संरक्षण, संवर्धन, और दस्तावेजीकरण। यानी ग्रामसभा न केवल अपनी धार्मिक मान्यताओं को बनाए रख सकती है, बल्कि उन्हें आधिकारिक रूप से दर्ज भी कर सकती है। यानी ग्रामसभा न केवल अपनी धार्मिक मान्यताओं को बनाए रख सकती है, बल्कि उन्हें आधिकारिक रूप से दर्ज भी कर सकती है।

इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि अगर राज्य सरकार ईमानदारी से चाहे तो वह पेसा को प्रभावी रूप से लागू करके ग्रामसभाओं को यह अधिकार दे सकती है कि वे सरना को अपनी मान्य उपासना पद्धति के रूप में दस्तावेजीकृत करें। एक बार जब यह दस्तावेजीकरण ग्रामसभा के स्तर पर हो गया और उसे राज्य मान्यता दे दे, तो यह कानूनी रूप से मान्य दस्तावेज बन सकता है, जिससे जनगणना या सरकारी पहचान में सरना धर्म की वैधानिकता को बल मिलेगा।

यह एक क्रांतिकारी प्रावधान है। यह पहली बार भारतीय कानून में यह स्वीकार किया गया कि परंपरा, रिवाज और उपासना पद्धति केवल संस्कृति नहीं, बल्कि वैधानिक अधिकार हैं। यह वह कानूनी आधार है जो सरना धर्म जैसी आस्था को स्थानीय स्वीकृति से लेकर राज्यस्तरीय मान्यता तक पहुंचा सकता है। जब हजारों ग्रामसभाएं कहें कि हम सरना धर्म के अनुयायी हैं, तो यह न केवल सांस्कृतिक शक्ति बनेगा, बल्कि वैधानिक बल भी होगा।

यदि झारखंड सरकार पेसा को पूर्णतः लागू करे और ग्रामसभाओं को उनके परंपरागत धर्म, पूजा विधियों और विश्वासों को औपचारिक रूप से दर्ज करने का अधिकार दे दे, तो ग्रामसभा द्वारा मान्य सरना धर्म एक कानूनी दस्तावेज में बदल सकता है। जब हजारों ग्रामसभाएं कहें कि हम सरना धर्म के अनुयायी हैं, तो यह न केवल सांस्कृतिक शक्ति बनेगा, बल्कि वैधानिक बल भी होगा।

अब प्रश्न उठता है कि जब पेसा यह कहता है कि ग्रामसभा अपने उपासना पद्धति को मान्यता दे सकती है, तो क्या यह रास्ता सरना धर्म कोड को भी वैधानिक वैधता दे सकता है? हाँ, यदि राज्य सरकार इच्छा शक्ति दिखाए।

यह विधिक वैधता जनगणना में धर्म कॉलम में एक स्वतंत्र स्थान की मांग को और भी अधिक मजबूत बना सकती है। इससे यह स्पष्ट संकेत जाएगा कि सरना कोई व्यक्तिगत आस्था नहीं बल्कि सामुदायिक और परंपरागत धार्मिक संरचना है।

ग्रामसभा के प्रमाणन की शक्ति

झारखंड में पेसा-1996 के नियमावली को अधिनियमित करने की प्रक्रिया चल रही है। नियमावली के लागू होने के बाद ग्रामसभा अपने नियम, परंपराएं और निर्णय प्रक्रिया खुद तय कारण के लिए कानूनी तौर पर अधिकृत हो जाएंगी। पेसा के तहत ग्रामसभा अपने धर्म की पहचान दर्ज कर सकती है और यह सरना धर्म को एक व्यवस्थित और विधिसम्मत रूपरेखा के तौर पर स्थापित कर सकती है।

यहाँ राज्य सरकार को एक साहसिक और दूरदर्शी निर्णय लेना होगा - केंद्र सरकार की अनुमति की प्रतीक्षा करने के बजाय राज्य के स्तर पर ही पेसा की शक्तियों को क्रियान्वित करना होगा। यह निर्णय झारखंड के लिए एक संवैधानिक प्रयोग बन सकता है जो पूरे भारत में अनुसूचित क्षेत्रों के लिए एक उदाहरण होगा।

देश तरक्की करता हैं... तब कांग्रेस पार्टी को दुख होता : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पार्टी पर कटाक्ष कर कहा कि उनके पास कांग्रेस के लिए कोई इलाज नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी देश आगे बढ़ता है, तब कांग्रेस पार्टी और उसके कुछ नेता दुख में डूब जाते है।भाजपा सांसद ने बीते 11 वर्षों में भारत के विकास पर कहा कि भारत का निर्यात 50 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 800 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बीते 11 साल में इतना काम हुआ है कि योजनाओं के नाम गिनना मुश्किल है। हम सभी पहलुओं में पूर्ण आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं और निर्यात भी तेजी से बढ़ा है और 800 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। जब मैं नया मंत्री था, तब हम करीब हर चीज का आयात कर रहे थे। हमारा निर्यात 50 अरब डॉलर भी नहीं था।अगर कांग्रेस दुखी होती है जब देश आगे बढ़ रहा है, लेकिन देश की जनता खुश है, तब मेरे पास उनके लिए कोई इलाज नहीं है। इस बीच, केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि लोक संवर्धन पर्व एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि गांवों में जो कौशल है उनके उत्पादों को बाजार में लाने, उन्हें एक मंच देने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। इससे विभिन्न राज्यों के उत्पादों को एक दूसरे तक पहुंचाने में भी मदद मिलेगी।

सुवेंदु अधिकारी की ममता सरकार से मांग, पीड़ितों से मिलने दिया जाए

कोलकाता (एजेंसी)। विवादित भूमि को लेकर दो समूहों के बीच हिंसक झड़प के बाद दक्षिण 24 परगना के रवींद्रनगर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कथित तौर पर महेशतला (मेटियाब्रुज विधानसभा क्षेत्र के तहत) के वार्ड नंबर 7 में अतिक्रमित भूमि पर दुकानें बनाने से शुरू हुआ विवाद तेजी से बढ़ गया। इस दौरान पत्थर और ईंटें फेंकी गईं और एक बाइक को आग के हवाले कर दिया गया। दक्षिण 24 परगना में उपद्रवियों और पुलिस के बीच झड़प पर एलओपी और भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि हाईकोर्ट ने पहले के आदेश में खास तौर पर कहा था कि जहां भी सांप्रदायिक हिंसा होगी, लोगों को लूटा जाएगा, पुलिस को कार्रवाई करने से रोका जाएगा और वे घायल होते हैं, तब याचिकाकर्ता डीजीपी को मेल भेजेगा और इसके तहत मैंने कल ऐसा किया। मैंने डीजीपी से मिलने की कोशिश की लेकिन नहीं मिल सका। कुछ अधिकारियों ने मुझे बताया है कि उन्होंने (डीजीपी) ममता बनर्जी से बात की, और उन्होंने कहा कि उनसे (सुवेंदु अधिकारी से) मिलने की कोई जरूरत नहीं है। भाजपा नेता का दावा हैं कि उसी आदेश में यह भी लिखा है कि अगर पुलिस कार्रवाई नहीं करती है, तब कोर्ट केंद्रीय अर्धसैनिक बल को निर्देश देगा, यह आदेश 30 जुलाई तक वैध है। इसलिए हम इसी मांग को लेकर याचिका दायर कर रहे हैं। हमारे द्वारा इसके लिए दो स्थगन प्रस्ताव भी दिए हैं... मैंने डीजीपी और एसपी डायमंड हार्बर को पहले ही ईमेल भेज दिया है कि एलओपी और एक विधायक को पीड़ितों से मिलने की अनुमति दी जाए।

तीन नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, 19 लाख रुपये का था इनाम

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में 19 लाख रुपये के इनामी तीन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। पुलिस के अनुसार, यह घटनाक्रम सुकमा जिले में 16 नक्सलियों के आत्मसमर्पण करने के कुछ सप्ताह बाद हुआ है। इसमें छह नक्सलियों पर सामूहिक रूप से 25 लाख रुपये का इनाम था। इसमें से नौ नक्सली केरलापेंडा ग्राम पंचायत के थे। अधिकारियों ने बताया कि पूर्व बस्तर डिवीजन में कंपनी नंबर छह में सक्रिय नक्सली भीमा उर्फ ढोलू उर्फ दिनेश पोड़ियाम (40) ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया। उन्होंने बताया कि उस पर 10 लाख रुपये का इनाम घोषित है। उन्होंने बताया कि इसके पहले जिले में दो महिला नक्सली सुकली कोर्राम उर्फ सपना और देवली मंडावी ने भी आत्मसमर्पण किया। अधिकारियों ने बताया कि सुकली पर आठ लाख तथा देवली पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित है। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने पर नक्सलियों को 50 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया है तथा उन्हें नक्सल उन्मूलन नीति के तहत मिलने वाली सुविधाएं दिलाई जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले में इस वर्ष कुल 104 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया है।

यूपी में हीटस्ट्रोक से 5 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी भीषण लू की चपेट में है। पिछले 24 घंटे में हीटस्ट्रोक से 5 लोगों की मौत हो चुकी है। कानपुर में गर्मी से 12 बगुलों की मौत हो गई। मोतीझील किनारे दीवारों पर बगुले मृत पाए गए।

इधर, उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने सीएम योगी को एक लेटर लिखा है, जिसमें उन्होंने स्कूलों में गर्मी की छुट्टियों को आगे बढ़ाए जाने की मांग की है। 15 जून को प्राइमरी स्कूल खुलेंगे। अनिल ने कहा– इस समय गर्मी ज्यादा है, बच्चे बीमार हो सकते हैं।

ईरान और पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रमों पर अमेरिका की नजर, करेगा बड़ा खेला

नई दिल्ली(एजेंसी)।ईरान और पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रमों पर अमेरिका की चिंता एक जटिल जियो-पॉलिटिकल परिदृश्य का हिस्सा बनी हुई है, जो क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता को प्रभावित करता है। यह चिंता न केवल इन देशों की परमाणु क्षमताओं से, बल्कि इनके रणनीतिक संबंधों और क्षेत्रीय प्रभाव से भी जुड़ी है।

ईरान का परमाणु कार्यक्रम दशकों से अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंता का कारण है। 2015 में ईरान और अमेरिका ने संयुक्त व्यापक कार्य योजना पर हस्ताक्षर किए, इसके तहत ईरान ने अपने परमाणु गतिविधियों में कटौती करने और अंतरराष्ट्रीय निरीक्षण को स्वीकार करने का वादा किया था, बदले में ईरान को आर्थिक प्रतिबंधों से राहत मिली।

हालांकि, 2018 में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने समझौते से बाहर निकलने का फैसला किया, जिससे तनाव बढ़ गया। हालिया रिपोर्ट्स बताती हैं कि ईरान ने संयुक्त व्यापक कार्य योजना की सीमाओं का उल्लंघन करते हुए अपने यूरेनियम के भंडार को बढ़ाया है, जो 2015 की सीमा से 22 गुना ज्यादा है।

अक्टूबर 2023 की आईएईए रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने अपने यूरेनियम संवृद्धि को बढ़ाया है, जिससे चिंताएं बढ़ी हैं कि वह परमाणु हथियार बनाने को तैयार है। अमेरिका को डर है कि एक परमाणु-सशस्त्र ईरान मध्य पूर्व में अस्थिरता ला सकता है। उसके सहयोगियों जैसे इज़राइल और सऊदी अरब को खतरा पैदा कर सकता है।

इसके लिए अमेरिका ने ईरान के साथ बातचीत करने की इच्छा जाहिर की है, खासकर अगर वार्ता ईरान के परमाणु कार्यक्रम के सैन्यीकरण को लेकर चिंताओं को संबोधित करती है। हालांकि, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनी ने कहा है कि वे अमेरिका के धमकी के तहत बातचीत नहीं करने वाले हैं, जिससे स्थिति और जटिल हो गई है। वहीं पाकिस्तान पहले से ही परमाणु हथियारों से लैस है। इसका परमाणु कार्यक्रम अमेरिका के लिए चिंता का विषय रहा है। खासकर भारत के साथ क्षेत्रीय तनाव के बाद में। हाल ही में, भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाइयों ने परमाणु संघर्ष के जोखिम को उजागर किया है, जिससे अमेरिका को मध्यस्थता करनी पड़ी।

मई 2025 में दोनों देशों ने एक-दूसरे के ठिकानों पर हमले किए, जिससे गंभीर चिंताएं पैदा हुईं। अमेरिका को पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की सुरक्षा को लेकर चिंता है। पाकिस्तान का चीन के साथ परमाणु सहयोग भी एक बड़ा मुद्दा है, क्योंकि चीन ने पाकिस्तान की परमाणु क्षमताओं को मजबूत करने में मदद की है। पाकिस्तान का ड्रैगन के साथ सहयोग दक्षिण एशिया में चीन के प्रभाव को बढ़ा सकता है, जो अमेरिका के रणनीतिक हितों के लिए ठीक नहीं। पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम की शुरुआत 1979 में हुई थी, जब अमेरिका ने पता लगाया कि पाकिस्तान गुप्त रूप से यूरेनियम संवृद्धि कर रहा है। पाकिस्तान ने 1998 में परमाणु परीक्षण किए। अब उसके पास लगभग 165 परमाणु वारहेड्स हैं, जो भारत और क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को प्रभावित करते हैं।

अमेरिकी चिंता का एक बड़ा हिस्सा यह है कि ईरान और पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता को खतरे में डाल सकते हैं। एक परमाणु-सशस्त्र ईरान मध्य पूर्व में शक्ति संतुलन के लिए खतरा है, जबकि पाकिस्तान के मामले में, भारत के साथ तनाव और चीन के साथ सहयोग एक जटिल रणनीति पैदा करते हैं।

शेख हसीना का बड़ा दावा, अमेरिका को सेंट मार्टिन द्वीप और बंगाल की खाड़ी सौंप देती...तब सत्ता में होती

नई दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अंतरिम सरकार प्रमुख मोहम्मद यूनुस पर गंभीर आरोप लगा दिए हैं। उन्होंने कहा कि यूनुस को आतंकियों का समर्थन कर देश की संप्रभुता को खतरे में डाल रहे हैं। हसीना की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यूनुस के शासन में देश में अपराध और हिंसा बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि अब महिलाएं शहरों में सुरक्षित महसूस नहीं करतीं और त्यौहारों पर लोग गांव जाने से डरते हैं, क्योंकि आतंकियों का डर बना रहता है। शेख हसीना ने यह भी दावा किया कि यूनुस 2026 में चुनाव कराने की बात कहकर बांग्लादेश की जनता के साथ अप्रैल फूल बना रहे हैं। हसीना ने कहा कि यूनुस संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के एक पुराने सुझाव को लेकर रोहिंग्या कॉरिडोर बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए बांग्लादेश का सेंट मार्टिन द्वीप बेचा जा सकता है और समुद्र तक देश की पहुंच खतरे में पड़ सकती है। हसीना ने चेतावनी दी कि यह कॉरिडोर देश की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है और विदेशी ताकतें इसका फायदा उठा सकती हैं। सेना प्रमुख ने भी खूनी कॉरिडोर बताकर कहा था कि इस पर कोई फैसला केवल चुनी हुई सरकार ही ले सकती है। हसीना ने दावा किया कि अगर वह अमेरिका को सेंट मार्टिन द्वीप और बंगाल की खाड़ी सौंप देतीं, तब आज भी सत्ता में होतीं। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया, क्योंकि वह देश की संप्रभुता से समझौता नहीं कर सकतीं।

कर्नाटक- कैबिनेट ने नए सिरे से जाति सर्वेक्षण कराने का किया फैसला, 90 दिनों में होगा पूरा

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में गुरुवार को हुई विशेष कैबिनेट बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व की इच्छा के अनुसार राज्य भर में एक नया सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण करने और इसे 90 दिनों में पूरा करने का निर्णय लिया गया। कैबिनेट बैठक के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के कानून के अनुसार इस तरह के सर्वेक्षण के निष्कर्ष केवल 10 साल के लिए वैध हैं। कर्नाटक का सर्वेक्षण केंद्र की जाति जनगणना से किस तरह अलग होगा, इस सवाल पर सीएम ने कहा कि केंद्र ने यह नहीं कहा है कि वह सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण करेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार अपने चुनावी घोषणापत्र में पार्टी द्वारा किए गए वादे के अनुसार सामाजिक न्याय देने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार पूर्व महाधिवक्ता मधुसूदन नाइक की अध्यक्षता वाले कर्नाटक राज्य स्थायी पिछड़ा वर्ग आयोग से 90 दिनों में सर्वेक्षण रिपोर्ट देने को कहेगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना ने यह काम 70 दिनों में पूरा कर लिया। गुरुवार को मंत्रिमंडल की बैठक हुई, जब एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सिद्धारमैया से जातियों की फिर से गणना करने को कहा। यह कर्नाटक के प्रमुख समुदायों की शिकायतों का जवाब था कि सर्वेक्षण के लिए एकत्र किए गए डेटा में जाति की फिर से गणना की गई है। इससे पहले सिद्धारमैया ने बुधवार को कहा कि जाति जनगणना के आंकड़ों को फिर से दर्ज करने का फैसला पार्टी हाईकमान ने लिया है और यह राज्य सरकार का फैसला नहीं है। पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि जाति जनगणना को लेकर कुछ शिकायतें मिली हैं।

2030 तक देश के बड़े शहरों में बढ़ेगी गर्मी और बारिश मचाएगी तबाही

– अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट में दावा, जलवायु परिवर्तन से बिगड़ रहे हालात

नई दिल्ली(एजेंसी)।2030 तक देश के कई बड़े शहरों में गर्मी और बारिश का कहर और बढ़ जाएगा। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली समेत मुंबई, चेन्नई, सूरत, ठाणे, हैदराबाद, पटना और भुवनेश्वर में अगले कुछ सालों में भीषण हीटवेव का खतरा दोगुना हो जाएगा यानी अब गर्मी केवल मई-जून तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि मानसून के दौरान भी लोगों को गर्मी झेलनी पड़ सकती है।

अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट 'तूफान का सामना करना, गर्म होते जलवायु में मानसून का प्रबंधन नाम से आई है, जिसे दो समूह ने मिलकर जारी की है। रिपोर्ट को जलवायु विशेषज्ञों ने तैयार किया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि लंबे समय तक चलने वाली गर्म हवाओं के कारण न सिर्फ लू का खतरा बढ़ेगा, बल्कि बारिश भी अनियमित हो जाएगी। भारत के करीब 80 फीसदी जिलों में 2030 तक मानसून के दौरान भारी बारिश और हीटवेव दोनों एक साथ देखने को मिल सकते हैं। दिल्ली में तो इस साल मई-जून में कई बार लू चली है।

रिपोर्ट के मुताबिक आने वाले दिनों में मानसून के मौसम में भी तापमान सामान्य से ज्यादा हो सकता है। ऐसे में लोगों को गर्मी और भारी बारिश की दोहरी मार झेलनी पड़ेगी। रिपोर्ट के मुताबिक अब ये हालात केवल गर्मियों तक सीमित नहीं रहेंगे। मानसून के दौरान भी तापमान में खतरनाक बढ़ोतरी हो रही है। इससे लगातार तेज गर्मी और मूसलाधार बारिश का मेल तैयार हो रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक 2030 तक देशभर में हीटवेव के दिनों में 2.5 गुना तक बढ़ोतरी हो सकती है। इसके अलावा अत्यधिक बारिश की घटनाओं में 43 फीसदी तक इजाफा हो सकता है यानी एक तरफ तेज गर्मी तो दूसरी ओर अचानक तेज बारिश। दोनों ही हालात जलवायु परिवर्तन की वजह से बिगड़ते जा रहे हैं। विश्लेषण में ये भी बताया गया है कि पिछले 30 सालों में मार्च से सितंबर तक हीटवेव वाले दिनों में 15 गुना तक बढ़ोतरी हुई। सिर्फ पिछले 10 सालों में ही ऐसी घटनाएं 19 गुना बढ़ी हैं। इससे साफ होता है कि अब हालात तेजी से बदल रहे हैं और हमें इन खतरों से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए।

दिल्ली समेत देश के 72 फीसदी टियर-1 और टियर-2 शहरों में गर्मी और बारिश के इन खतरों के साथ-साथ तूफान, बिजली गिरने और ओलावृष्टि जैसी घटनाओं में भी बढ़ोतरी हो सकती है। खासकर महाराष्ट्र, तमिलनाडु, गुजरात, यूपी, हिमाचल प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों में खतरा ज्यादा रहेगा। गुजरात, राजस्थान, यूपी, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के करीब 75 फीसदी जिलों को अगले पांच साल में लगातार गर्मी और अनियमित बारिश का सामना करना पड़ सकता है। ये सभी इलाके अब जलवायु परिवर्तन के सबसे संवेदनशील हॉटस्पॉट बनते जा रहे हैं।

रिपोर्ट में आगे ये सुझाव भी दिया गया कि देश में जलवायु जोखिम को समझने के लिए एक 'क्लाइमेट रिस्क ऑब्जर्वेटरी' यानी जलवायु जोखिम वेधशाला बनाई जानी चाहिए। इससे हर इलाके का बारीकी से आकलन किया जा सकेगा और समय रहते अलर्ट जारी किए जा सकेंगे साथ ही सरकार को ऐसे आर्थिक उपाय भी करने होंगे जिससे आम लोगों पर पड़ने वाले आर्थिक असर को संभाला जा सके।

अमेरिका ने भारत को दिए तीन कूटनीतिक झटके... लेकिन फिर भी मोदी चुप

कांग्रेस ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर विपक्षी सांसदों से मिलने की मांग की

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि एक ही दिन में भारत की कूटनीति को अमेरिका से तीन बड़े झटके लगे हैं। इससे भारतीय विदेश नीति और भारत-अमेरिका संबंधों पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

कांग्रेस नेता जयराम ने कहा कि अमेरिका की सेंट्रल कमांड चीफ जनरल माइकल कुरिल्ला ने पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ साझेदार बताया। पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर को अमेरिकी आर्मी डे के लिए न्यौता दिया है। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने फिर से कहा कि भारत-पाक तनाव ट्रंप ने खत्म कराया। कांग्रेस नेता ने कहा कि ये हमारी कूटनीति के लिए बड़े झटके हैं। प्रधानमंत्री जो सर्वशक्तिमान और सर्वव्यापी हैं, उन्हें अब सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। उन्होंने विदेश यात्राओं पर गए सांसदों से मुलाकात की है, अब विपक्षी दलों के नेताओं से भी मिलना चाहिए। मोदी सरकार पर हमलावार कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि अमेरिका के सेंट्रल कमांड चीफ जनरल कुरिल्ला ने हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी के सामने पाकिस्तान को एक शानदार साझेदार बताया। क्या यहीं पाकिस्तान है जहां ओसामा बिन लादेन 10 साल छिपा रहा और 2011 में मारा गया। वहीं पाकिस्तान अब अमेरिका के लिए आतंकवाद विरोधी साझेदार बन गया।

कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि अमेरिका ने पाकिस्तान आर्मी चीफ जनरल मुनीर को अमेरिका सेना की 250वीं वर्षगांठ पर आयोजित परेड में भाग लेने के लिए न्यौता भेजा है। यह वहीं मुनीर है, जो कि पहलगाम आतंकी हमले से ठीक पहले भड़काऊ और उकसावे बयान दिए थे। उनके बयानों से ही आतंकियों को बल मिला। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने फिर कहा कि भारत-पाक तनाव को कम करने में डोनाल्ड ट्रम्प और विदेश मंत्री मार्को रुबियो की भूमिका रही है।

फडणवीस और राज ठाकरे की गुपचुप मुलाकात... क्या उद्धव से बिगड़ गई बात

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में गुरुवार को एक बड़ा घटनाक्रम दिखाई दिया, जब महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बीच मुंबई के पांच सितारा होटल में बंद कमरे में बैठक हुई। यह मुलाकात करीब एक घंटे चली और बैठक को किसी भी पक्ष ने पहले से कोई जानकारी नहीं दी थी। यह मुलाकात तब हुई है जब शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) लगातार एमएनएस के साथ गठबंधन की संभावनाओं को हवा दे रही थी और 'मराठी मानूस' की एकजुटता की अपील हो रही थी। वहीं, एमएनएस की चुप्पी और अब भाजपा नेताओं से मुलाकात इस बात का संकेत देती है कि राज ठाकरे उद्धव ठाकरे की बजाय भाजपा और शिंदे गुट के साथ जुड़ने का मन बना रहे हैं।

बता दें कि 14 जून को राज ठाकरे और 13 जून को आदित्य ठाकरे का जन्मदिन है। शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ता इन तारीखों को प्रतीकात्मक एकता दिवस के रूप में पेश कर रहे थे, लेकिन यह अचानक बैठक उनके मंसूबों पर पानी फेर सकती है।

पिछले कुछ महीनों से उद्धव ठाकरे, उनके बेटे आदित्य और संजय राऊत सहित शिवसेना (यूबीटी) के नेता लगातार राज ठाकरे से सार्वजनिक अपील कर रहे थे। पुराने पारिवारिक फोटो, सोशल मीडिया पोस्ट और सामना में प्रकाशित भावनात्मक लेखों के माध्यम से मराठी अस्मिता की एकता का संदेश दिया जा रहा था। लेकिन एमएनएस की ओर से इस पर कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं आई।

वहीं राज ठाकरे को भाजपा के अलावा शिवसेना (शिंदे गुट) की ओर से भी गठबंधन का प्रस्ताव मिला है। संजय शिरसाट, मंत्री और शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता ने कहा, ÷हमने पहले भी विधानसभा चुनाव के समय गठबंधन की पेशकश की थी। आज भी हम राज साहेब को साथ आने का निमंत्रण देते हैं।÷

यूएन की रिपोर्ट: भारत में घट रही प्रजनन दर, भविष्य के लिए चुनौती

–बढ़ती बुजुर्ग आबादी और घटती युवा शक्ति के लिए ठोस नीति जरुरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की जनसंख्या में बड़ा और निर्णायक बदलाव आया है। संयुक्त राष्ट्र की ताज़ा रिपोर्ट 2025 के मुताबिक देश की कुल प्रजनन दर अब 'प्रत्यास्थापन स्तर' यानी रिप्लेसमेंट लेवल से नीचे चली गई है। इसका मतलब है कि अब जितने लोगों की देश में मौत हो रही हैं, उतने नए जन्म नहीं ले हो रहे। 2025 के अंत तक भारत की जनसंख्या के 1.46 अरब तक पहुंचने का अनुमान है, लेकिन चिंता की बात यह है कि कुल प्रजनन दर घटकर 1.9 रह गई है, जबकि स्थिर जनसंख्या बनाए रखने के लिए यह दर कम से कम 2.1 होनी चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) ने इसे एक 'वास्तविक प्रजनन संकट' करार दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में लाखों लोग ऐसे हैं जो अपने इच्छित परिवार आकार तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। कुछ लोगों को संतान प्राप्ति नहीं हुई है, तो कुछ सामाजिक, आर्थिक या स्वास्थ्य कारणों से बच्चे पैदा करने का फैसला टाल रहे हैं। गर्भनिरोधक साधनों की सीमित पहुंच, करियर व शिक्षा की प्राथमिकता, बदलती जीवनशैली और सामाजिक धारणाएं इस बदलाव के मुख्य कारण माने जा रहे हैं।

भारत में हालांकि अभी युवा जनसंख्या का बड़ा हिस्सा मौजूद है।

रिपोर्ट के मुताबिक देश की जनसंख्या में 0 से 14 साल के लोग 24फीसदी, 10 से 19 वर्ष के 17 फीसदी, 10 से 24 वर्ष के 26फीसदी और 15 से 64 वर्ष के लोग 68फीसदी हैं। इसका अर्थ है कि भारत फिलहाल एक बड़े 'जनसांख्यिकीय लाभांश' की स्थिति में है। यदि सरकार इस युवा शक्ति को सही दिशा दे सके, तो देश अगले कुछ दशकों में वैश्विक आर्थिक शक्ति बन सकता है।

यूएन रिपोर्ट यह बताती है कि भारत अब मध्यम आय वाले उन देशों की श्रेणी में आता है, जहां जनसंख्या दोगुनी होने में करीब 79 साल लगेंगे। यह एक अहम बदलाव है, क्योंकि पहले यह समय कहीं कम था। यूएनएफपीए की भारत में प्रतिनिधि के मुताबिक भारत ने बीते 50 सालों में प्रजनन दर कम करने के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। 1970 में जहां एक महिला औसतन 5 बच्चों को जन्म देती थी, अब यह संख्या करीब 2 हो चुकी है, जो शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में हुए सुधार का परिणाम है।

विशेषज्ञ यह भी चेतावनी दे रहे हैं कि यदि यह गिरावट इसी तरह जारी रही तो आने वाले सालों में भारत को तेजी से बढ़ती बुजुर्ग आबादी और घटती युवा शक्ति के लिए ठोस नीतियां बनानी होंगी। यह बदलाव भविष्य की सामाजिक संरचना और आर्थिक उत्पादकता दोनों पर गहरा प्रभाव डाल सकता है।

निवेश-बचत: एफडी-लोन पर इस तरह उठा सकते हैं फायदा, ईबीएलआर-एमसीएलआर में फर्क समझें

नई दिल्ली, एजेंसी। होम लोन, कार लोन, पर्सनल लोन या किसी भी तरह का कर्ज लेने की योजना है तो अभी कुछ समय के लिए टाल दें। ऐसा इसलिए, क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि रेपो दर में कटौती का लाभ मिलने में समय लग सकता है। इसका असर सितंबर से दिखेगा। बैंक इस समय दो तरह से कर्ज देते हैं। एक होता है ईबीएलआर जो बाहरी बेंचमार्क से जुड़ा होता है। दूसरा होता है एमसीएलआर, जो लंबी अवधि की दरों से जुड़ा होता है। फरवरी और अप्रैल में 0.50 फीसदी की रेपो दर में जो कटौती हुई थी, उसका फायदा अब दोनों तरह के ग्राहकों को मिलने लगा है।

ईबीएलआर व एमसीएलआर में फर्क समझें- ईबीएलआर वह तरीका है जिसमें आरबीआई के फैसले के बाद तुरंत असर दिखने लगता है। आपका कर्ज ईबीएलआर से जुड़ा है तो रेपो दर में कटौती का तुरंत फायदा मिलता है। इस समय कुल लोन में से 60.2 फीसदी कर्ज ईबीएलआर से जुड़ा है। इसलिए इस कटौती का फायदा उनको जल्दी मिलेगा। 35.9 फीसदी लोन एमसीएलआर से जुड़े हैं। इनको कुछ अंतराल के बाद रेपो दर में कटौती का फायदा मिलेगा। एसबीआई की रिपोर्ट कहती है कि हालिया कटौती का 0.30 फीसदी फायदा लोन लेने वाले ग्राहकों को तुरंत मिल जाएगा। आप बैंक एफडी करने के इच्छुक हैं या पहले से कर रहे हैं तो यह सबसे सही मौका है। लोन की तरह ही बैंक एफडी की दरें तेजी से घटेंगीं। ऐसे में आगे चलकर एफडी पर एक फीसदी कम ब्याज मिलेगा। यानी एक लाख के एफडी पर साल में 1,000 रुपये का घाटा होगा। पहले का एफडी अभी मैच्योर हो रहा है तो उसको फिर से कर सकते हैं। अभी कई स्मॉल फाइनेंस बैंक एफडी पर 8 फीसदी तक का ब्याज दे रहे हैं। फरवरी व अप्रैल में जो रेपो दर घटी थी, उस आधार पर अभी तक एफडी की दरें केवल 0.30 से 0.70 फीसदी घटी हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि बैंकों के पास नकदी की कमी थी। अब आरबीआई ने 2.5 लाख करोड़ नकदी की सुविधा भी दे दी। ऐसे में फरवरी से इसे देखेंगे तो आपके जमा पर 1.5 फीसदी का असर हो सकता है।

आप अभी कर्ज लेने वाले हैं तो...आरबीआई के फैसले के बाद कुछ बैंकों ने तुरंत कर्ज पर ब्याज दरें घटा दी है। ज्यादातर बैंक इसका फैसला लेने के लिए अपनी एसेट-लायबिलिटी समिति की बैठक करेंगे। इसमें दोनों पक्षों पर पूरी तरह से सोच विचार कर दरों में कटौती का फैसला किया जाएगा। यह फैसला इस महीने के अंत में होगा। ऐसे में इसका वास्तविक असर जुलाई या अगस्त से दिखना शुरू होगा। अभी लोन लेने वाले हैं तो बेहतर होगा कि जुलाई के बाद लें। तब तक सभी बैंकों की ब्याज दर और प्रोसेसिंग फीस जैसे अन्य मामलों पर बैंकों के साथ मोल भाव करने का समय मिल जाएगा।

अगर आप कर्ज ले चुके हैं तो...

आप का इस समय कोई कर्ज चल रहा है तो बेहतर होगा कि अभी से बैंक के साथ बातचीत करें। देखें कि वह कर्ज पर कितना ब्याज घटाता है। अगर रेपो दर कटौती की तुलना में कम दर घटा रहा है तो लोन किसी और बैंक में ट्रांसफर कर सकते हैं। लेकिन यह करने से पहले संबंधित बैंक के साथ मोल भाव करें। उसके अन्य शुल्क जैसे प्रोसेसिंग फीस आदि को भी देखें। अभी जो बैंक लोन की ब्याज दरें घटा रहे हैं वह जुलाई की किस्त में दिखेगा। क्योंकि जून की किस्त करीब-करीब कट चुकी होगी। ऐसे में इस महीने के अंत में बैंकों के साथ मोल भाव करके लोन की ब्याज दर कम करा सकते हैं।

चीन के निर्यात ने फिर पकड़ी रफ्तार

अमेरिका के साथ व्यापार में आई कमी, सीमा शुल्क के आंकड़ों में दावा

बीजिंग एजेंसी। चीन के निर्यात में मई माह में तेजी आई है। वहीं चीन का अमेरिका को निर्यात 10 प्रतिशत कम हुआ है। सोमवार को सीमा शुल्क के आंकड़े जारी किए गए, जिनमें बताया गया कि का निर्यात मई महीने में पिछले साल की तुलना में 4.8 प्रतिशत ज्यादा हुआ। आंकड़ों के अनुसार, चीन के आयात में साल-दर-साल 3.4 प्रतिशत की कमी आई है, जिसके कारण चीन का व्यापार अधिशेष 103.2 अरब डॉलर हो गया है। मई में चीन का अमेरिका को निर्यात 28.8 अरब डॉलर रहा। वहीं चीन का अमेरिका से आयात 7.4 प्रतिशत गिरकर 10.8 अरब डॉलर रहा।

ब्रिटेन में होनी है चीन-अमेरिका के बीच बैठक- अप्रैल में चीन के वैश्विक

निर्यात में 8.1 प्रतिशत की तेजी के बाद मई में व्यापार धीमा हो गया। अमेरिका-चीन वार्ता का अगला दौर सोमवार को ब्रिटेन में होने वाला है। इस वार्ता में चीन की तरफ से उप-प्रधानमंत्री ही लेइफेंग शामिल होंगे। वहीं अमेरिका की तरफ से अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट, वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक और व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीयर बैठक में शामिल होंगे। बीते हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के नेता शी जिनपिंग के बीच फोन पर बात हुई थी, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति ने अच्छी बातचीत बताया था।

फरवरी में शुरू हुई थी टैरिफ वॉर- बीते महीने ही विश्व की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं अमेरिका और चीन ने आयात कर कम करने के लिए एक अस्थायी संघर्ष विराम पर सहमति व्यक्त की थी, लेकिन तब से ही दोनों देश एक-दूसरे पर समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगा रहे हैं। फरवरी में ट्रंप ने चीन से आने वाले सामान पर टैरिफ लगाने का एलान किया था। इसके जवाब में चीन ने भी अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ बढ़ा दिया। हालांकि मई में ट्रंप ने इस पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी थी।

म्यूचुअल फंड में निवेश कर हासिल करें बड़े वित्तीय लक्ष्य; जरूरत के आधार पर इस तरह चुनें फंड

नई दिल्ली, एजेंसी। बिना लक्ष्य के बचत या निवेश करना ऐसा ही है जैसे बिना पते के सफर पर निकल जाना। जब हमें पता होता है कि हम किस लक्ष्य के लिए बचत कर रहे हैं, तो हम न केवल बचत जारी रखने के लिए प्रेरित रहते हैं, बल्कि उस बचत को सही जगह निवेश करने की योजना भी बेहतर तरीके से बना पाते हैं। सपनों को हासिल करने के लिए यह समझना जरूरी है कि किस लक्ष्य को पूरा करने में कितनी धनराशि लगेगी। उच्च

शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे लक्ष्य महंगाई से ज्यादा प्रभावित होते हैं, इसलिए इनकी प्लानिंग भी सटीक होनी चाहिए।

कब और कैसे शुरू करें निवेश की योजना?- किसी भी निवेश योजना की शुरुआत करने से पहले आपके दिमाग में लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए। लक्ष्यों की सूची अपने परिवार, अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर तैयार करनी चाहिए। जब आप एक इकाई की तरह सोचते हैं तो जीवन में आगे बढ़ना बहुत आसान हो जाता है।

पुराना सोना बेचकर आसान नहीं है मुनाफा कमाना

दिक्कतों का करना पड़ेगा सामना

नई दिल्ली, एजेंसी। सोना केवल निवेश नहीं, बल्कि शुभ माना जाता है। युद्ध और आर्थिक उठापटक के दौर में इसकी मांग बढ़ी है, दाम आसमान छू रहे हैं। ऐसे में कई लोग अपना पुराना सोना बेचकर मुनाफा कमाना चाहते हैं, लेकिन उन्हें सही

दाम नहीं मिल पा रहा। जानें क्यों है, दिक्कत और क्या है समाधान।

- **सोना बेचने में कौन-कौन सी दिक्कतें आती हैं-** शुद्धता का झगड़ा: अधिकतर पुराने गहनों पर बीआईएस हॉलमार्क नहीं होता। जौहरी शुद्धता को लेकर शक जताते हैं, जिससे कीमत पर बहस होती है। कटौतियों का डर: जौहरी अक्सर बनावट का चार्ज काट लेते हैं या पत्थर/मिलावट का हवाला देकर कम कीमत देते हैं। अव्यवस्थित बाजार: छोटे दुकानदार मनमाना भाव देते हैं, भरोसा कम होता है। गहने बेचने वालों को कई बार पैसे मिलने में देरी होती है।
- **केवायसी और कानूनी झंझट:** 2 लाख से अधिक के सोने की बिक्री पर पीएएन कार्ड और पूरी केवायसी जानकारी चाहिए, जो लोग नहीं देना चाहते। जौहरी भी चोरी के सोने या आयकर की जांच के डर से बड़े सौदे करने से घबराते हैं।
- **कैसे आसानी से और अच्छे दाम पर बेचें सोना** - हॉलमार्क और कागजात जरूरी: सोना खरीदते समय ही बीआईएस हॉलमार्क वाला लें और बिल जरूर रखें। बेचते समय ये कागजात सही वैल्यूएशन में मदद करेंगे।
- **भरोसेमंद खरीदार चुनें:** ऐसे जौहरी या सोना खरीदने वाली विश्वसनीय कंपनियों/प्लेटफॉर्म के पास जाएं जो लाइव मार्केट प्राइस के हिसाब से पारदर्शी भाव दें। सोने की डली (बार) बेचनी हो तो प्रतिष्ठित बुलियन डीलर्स के पास जाएं। कई जगह भाव पूछें: किसी एक पर निर्भर न रहें। अलग-अलग जगहों से भाव जानकर तुलना करें। अव्यवस्थित खरीदारों से दूर रहें।
- **डिजिटल गोल्ड या रिफाइनिंग का विकल्प:** कुछ प्लेटफॉर्म आपके पुराने सोने को डिजिटल गोल्ड में बदलने या शुद्ध करके नया बनाने की सुविधा देते हैं, ये भी आजमा सकते हैं।
- **गोल्ड लोन भी है विकल्प:** अगर सोना बेचना जरूरी न हो तो, गोल्ड लोन लेकर भी पैसे जुटाए जा सकते हैं। यह ज्यादा सुरक्षित तरीका हो सकता है।
- **केवायसी और चोरी का डर:** खरीदार की पूरी पहचान सुनिश्चित करना और यह पक्का करना कि सोना चोरी का नहीं है, बड़ी चुनौती है।
- **जीएसटी का उलझाव:** जौहरियों को खरीदे गए पुराने सोने और नए बिकने वाले सामान का हिसाब अलग रखना पड़ता है, जिससे जीएसटी का इनपुट क्रेडिट प्रभावित हो सकता है।
- **लिक्विडिटी की कमी:** सोने के महंगे होने से गहनों की बिक्री कम हुई है। ऐसे में जौहरियों के पास बड़ी रकम देने के लिए तुरंत नकदी नहीं होती।
- **लोन से जुड़ी गलतफहमी:** गोल्ड लोन देते समय आरबीआई के नियमों के मुताबिक एलटीवी रेश्यो का पालन करना पड़ता है (यानी सोने की कीमत से कम ही लोन देना)। कई ग्राहक इसे नहीं समझते और झगड़ा करते हैं।

भारत की फैक्ट्रियों पर ताला लगाने की फिराक में पाकिस्तान का दोस्त चीन!

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन ने भारत समेत कई देशों को रेयर अर्थ मैग्नेट्स का एक्सपोर्ट बंद कर दिया है। इससे भारत में ईवी इंडस्ट्री के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री को भी खासी परेशानी हो रही है। दुनिया में रेयर अर्थ एलिमेंट माइनिंग में चीन की हिस्सेदारी करीब 70 फीसदी है और ग्लोबल आउटपुट में उसकी हिस्सेदारी 90 फीसदी है। भारत सरकार इसकी आपूर्ति के लिए चीन के साथ बातचीत कर रही है। साथ ही उसने पांच अन्य देशों से भी रेयर अर्थ मैग्नेट्स की सप्लाई के लिए बातचीत शुरू कर दी है। इनमें

वियतनाम, इंडोनेशिया, जापान, अमेरिका और रूस शामिल हैं। भारत 809 टन रेयर अर्थ मैग्नेट्स का आयात करता है। हिंदू बिजनसलाइन की एक रिपोर्ट के मुताबिक ऑटो कंपनियों के पास जून के अंत तक का स्टॉक रह गया है। इसकी वजह यह है कि अप्रैल के मध्य से इनकी कोई सप्लाई नहीं हुई है। सरकार कूटनीतिक तरीके से इस मुद्दे का समाधान करने की कोशिश कर रही है। बीजिंग में भारतीय दूतावास भारतीय उद्योग के प्रतिनिधिमंडल और चीनी सरकार के अधिकारियों की मीटिंग करने की कोशिश कर रहा है।

सबसे बेहतर विकल्प

अधिकारियों का कहना है कि वियतनाम और इंडोनेशिया से रेयर अर्थ खरीदने की संभावना ज्यादा है। जापान के पास भी रेयर मैग्नेट्स हैं लेकिन उनकी क्वालिटी चीन की तरह नहीं है। वियतनाम सबसे उपयुक्त विकल्प है क्योंकि वहां से तुरंत सप्लाई चेन स्थापित करना आसान है। एशियाई देशों से सप्लाई चेन स्थापित करने में 45 दिन का समय लग सकता है जबकि रूस और अमेरिका के मामले में यह अवधि 60 दिन हो सकती है। सूत्रों का कहना है कि चीन से रेयर अर्थ मैग्नेट्स की सप्लाई बंद होने से ऑटो इंडस्ट्री के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री खासकर स्मार्टवॉच और वायरलेस ईयरबड्स का प्रोडक्शन बुरी तरह प्रभावित होगा। कंपनियों के पास अब कुछ ही महीनों का स्टॉक रह गया है और अगर इस बीच चीन से आपूर्ति बहाल नहीं होती है तो प्रोडक्शन पर इसका असर होगा। इससे उन चीजों की शॉर्टेज हो सकती है जिनमें रेयर अर्थ मैग्नेट्स का यूज होता है। देश में स्मार्टवॉच की बिक्री में पहली तिमाही में 33 फीसदी गिरावट आई है।

2026 में आ रहा है महंगाई का नया पैमाना, 12 शहरों पर होगा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार महंगाई मापने के तरीके को आधुनिक बना रही है। 2026 में जब खुदरा महंगाई दर का नया पैमाना (सीरीज) आएगा, तो उसमें एक बड़ा बदलाव होगा। अब ऑनलाइन शॉपिंग की कीमतों पर भी सरकार की नजर रहेगी। इसके लिए सरकार ने देश के 12 बड़े शहरों को चुना है, जहां की आबादी हर एक की 25 लाख से ज्यादा है।

कैसे होगा ऑनलाइन प्राइस ट्रैकिंग का काम- इन शहरों में हर शहर के सबसे बड़े ऑनलाइन सेलर से सामान की कीमतें नोट की जाएंगी। मिसाल के तौर पर लखनऊ में चावल की कीमत शायद बिगबास्केट से ट्रैक होगी। बेंगलुरु में शायद अमेजन से देखी जाएगी। नाम न बताने की शर्त पर इकनॉमिक टाइम्स से ये जानकारी एक सरकारी अधिकारी ने दी है।

नए सीपीआई की खास बातें- 1. ज्यादा बाजार, ज्यादा डाटा: पुराने पैमाने में सिर्फ 1,181 ग्रामीण और 1,114 शहरी बाजार शामिल थे। नए पैमाने में यह संख्या बढ़कर कुल 2,900 बाजार हो जाएगी।

2. नया आधार साल: कीमतों की तुलना का आधार साल 2012 से बदलकर 2024 कर दिया जाएगा। यानी 2024 की कीमतों को 100 मानकर आगे की महंगाई मापी जाएगी।

3. खर्चे का नया पैटर्न: सूचकांक (इंडेक्स) में हर चीज़ का वेटेज (महत्व) खर्च सर्वेक्षण 2022-23 के आधार पर तय होगा। ये सर्वे लोगों के खरीदारी के नए तरीकों को दिखाएगा।

वेटेज बांटने पर रोक - क्यों- पहले, खपत के बदलते तरीकों को शामिल करने के लिए, सूचकांक में चीज़ों के वेटेज को फिर से बांटा जाता था (रिडिस्ट्रीब्यूशन ऑफ वेट्स)। अब नए सीरीज में ऐसा नहीं होगा।

एक सरकारी अधिकारी ने साफ कहा, नए सीरीज में वेटेज का फिर से बंटवारा नहीं होगा।- समस्या क्या थी विशेषज्ञों का कहना है कि वेटेज बदलने से कभी-कभी महंगाई वास्तविकता से ज्यादा दिख सकती थी। एक चीज़ का महत्व कम करके दूसरी को बढ़ाना, असली खपत को ठीक से नहीं दिखाता था।

विशेषज्ञों की राय- मदन सबनविस (बैंक ऑफ बड़ौदा) कहते हैं, शायद ये फैसला इसलिए लिया गया ताकि नया सूचकांक खर्च सर्वेक्षण 2022-23 को सही-सही दर्शा सके। पुराने वेटेज बदलने से ये गड़बड़ा सकता था। गौरा सेनगुप्ता (आईडीएफसी फर्स्ट बैंक) का कहना है, ये कदम सूचकांक में होने वाले उतार-चढ़ाव (वोलेटिलिटी) को कम करने के लिए है।

ऑनलाइन दुनिया की चीजें भी होंगी शामिल- नया पैमाना सिर्फ किराने का सामान ही नहीं, आधुनिक खर्चों को भी ट्रैक करेगा।ओटीटी प्लेटफॉर्म्स (नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम जैसी स्ट्रीमिंग सेवाओं) की सदस्यता शुल्क। रेल और हवाई यात्रा के किराए।

सरकार की चुनौती: ऑनलाइन कंपनियों से डाटा लेना

सरकार ने करीब दो साल पहले ही अमेजन, बिगबास्केट, जेप्टो, फ्लिपकार्ट, जोमेटो जैसी ई-कॉमर्स और क्विक कॉमर्स कंपनियों को पत्र लिखकर उनके प्राइसिंग डाटा तक पहुंच मांगी थी, लेकिन कोई भी कंपनी तैयार नहीं हुई। कंपनियों की चिंता गोपनीयता (प्राइवेसी) और अपनी बिजनेस रणनीति का गुप्त रखना है।

भारत में पहली बार एमसीएक्स ने किया ऐसा काम कि रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गए शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। एमसीएक्स (मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज) के शेयरों में जबरदस्त उछाल आया। बीएसई पर ये शेयर 5 प्रतिशत से ज्यादा चढ़कर 7,820 के नए रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। क्योंकि, एमसीएक्स को भारत में पहली बार बिजली व्युत्पन्न लॉन्च करने की मंजूरी मिल गई है। ये भारत के इलेक्ट्रिसिटी मार्केट में एक बड़ा कदम है।

ये काम कैसे करेगा- एमसीएक्स ने बताया कि इस नए प्रोडक्ट से बिजली बनाने वाली कंपनियां, बिजली बेचने वाले (डिस्ट्रीब्यूटर) और बड़े बिजली खरीदार (जैसे फैक्ट्रियां) अब बिजली के दामों के ऊपर-नीचे होने से अपने आप को बचा पाएंगे। इससे बिजली बाजार ज्यादा मजबूत और कारगर बनेगा।

क्यों है ये इतना खास

1. भारत का पहला: भारत में ऐसा पहली बार हो रहा है।

2. इनोवेशन की मिसाल: एमसीएक्स ने साबित कर दिया कि वो नए आइडियाज लाने में सबसे आगे है।

3. ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा: ये कदम भारत के स्वच्छ ऊर्जा और विकसित भारत के सपने को साकार करने में मददगार है।

एमसीएक्स की सीईओ प्रवीणा राय कहती हैं, बिजली के भावों का ये इलेक्ट्रिसिटी डेरिवेटिव भारत के कारोबारी बाजार के लिए एक क्रांतिकारी कदम है। अक्षय ऊर्जा (सोलर, विंड) और खुले बिजली बाजार के दौर में, ये प्रोडक्ट असली बिजली बाजार और वित्तीय बाजार के बीच एक जरूरी कड़ी बनेगा।

राजेश भोसले (एंजल वन) कहते हैं, एमसीएक्स शेयर जून में 18 प्रतिशत से अधिक चढ़ा है। ये बिना रुके आगे बढ़ सकता है। 8,250 तक पहुंच सकता है। 7,450 पर सपोर्ट है। अंशुल जैन (लक्ष्मीश्री) के मुताबिक, शेयर ने हफ्तों की औसत से उछाल भरा है, लेकिन अभी ये थोड़ा ऊपर जा चुका है। जिनके पास है, वो 7,650 के नीचे स्टॉप लॉस लगाएं। नए खरीदार थोड़ा इंतजार करें, संभलने या गिरने पर ही खरीदें।

संक्षिप्त

ऋषभ ने पूरन को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी

लंदन, एजेंसी। भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत ने वेस्टइंडीज के विकेटकीपर बल्लेबाज निकोलस पूरन के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने पर अपनी प्रतिक्रिया जताते हुए कहा है कि उनके साथ खेलने पर मुझे गर्व है। पूरन आईपीएल टीम लखनऊ सुपर जायंट्स टीम में ऋषभ के साथ थे। पूरन ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। पूरन आईपीएल में ऋषभ के साथ एक ही ड्रेसिंग रूम साझा करते हैं और दोनो के बीच अच्छी दोस्ती भी है। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने पूरन के आगे के सफर के लिए सफलता की उम्मीद जतायी और अब तक की उपलब्धियों के लिए उन्हें बधाई दी है। ऋषभ ने सोशम मीडिया में लिखा, आपने अपना अलग ही प्रभाव छोड़ा है। आप एक सच्चे साथी, दोस्त और एक अच्छे खिलाड़ी हैं। आपके साथ मैदान साझा करने पर हम सभी को गर्व है, वेस्टइंडीज क्रिकेट के लिए अपने अहम योगदान के लिए आप बधाई के पात्र हैं।

पहली रग्बी प्रीमियर लीग 15 जून से मुंबई में

नई दिल्ली, एजेंसी। पहली रग्बी प्रीमियर लीग (आरपीएल) का आयोजन 15 जून से मुंबई में किया जाएगा जिसमें छह फ्रेंचाइजी टीम भाग लेंगी। इस लीग के आयोजकों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। जीएमआर स्पोर्ट्स के सीईओ और इस प्रतियोगिता के प्रमोटर सत्यम त्रिवेदी ने बताया कि इस लीग का आयोजन 15 से 29 जून तक मुंबई के अंधेरी स्थित मुंबई फुटबॉल एरेना में किया जाएगा। भारत में पहली बार आयोजित की जा रही इस लीग में छह फ्रेंचाइजी दिल्ली रेड्ज, हैदराबाद हीरोज, कलिंगा ब्लैक टाइगर्स, चेन्नई बुल्स, मुंबई ड्रीमर्स और बेंगलुरु ब्रेवहार्ट्स भाग लेंगी। इस लीग का प्रारूप रग्बी 7 होगा, जिसे ओलंपिक खेल के रूप में मान्यता प्राप्त है।

रोमानिया ने विश्व कप क्वालीफायर में साइप्रस को 2-0 से हराया

बुखारेस्ट, एजेंसी। रोमानिया ने 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर के ग्रुप एच में बुखारेस्ट के नेशनल एरिना में साइप्रस पर 2-0 से जीत हासिल की।

पहले हाफ में फ्लोरिन तानसे और डेनिस मैन के गोल ने रोमानिया की जीत को आसान बना दिया। वह ग्रुप में शीर्ष स्थान के लिए दावेदारी में बना हुआ है। तानसे ने 43वें मिनट में मैन द्वारा शुरू किए गए तेज जवाबी हमले के बाद स्कोरिंग खोली। हाफटाइम से ठीक पहले, मैन ने डेनिस ड्रैगस के साथ एक शांत फिनिश के साथ बढ़त को दोगुना कर दिया।

खिलाड़ियों को तराशने के लिए टेनिस बाल क्रिकेट है अहम: वेंकटेश प्रसाद

दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय तेज़ गेंदबाज़ और लेजेंजजी टी10 लीग के चेयरमैन वेंकटेश प्रसाद ने टेनिस बॉल क्रिकेट की अहम भूमिका पर ज़ोर देते हुए कहा कि यह प्रारूप भविष्य के सितारों को तराशने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। टेनिस बॉल क्रिकेट लीग लेजेंजजी टी10 का शुभारंभ दो जून को हुआ था। टेनिस बॉल क्रिकेट को लेकर वेंकटेश प्रसाद ने बताया कि कैसे दुनिया के कई शीर्ष खिलाड़ियों ने अपने शुरुआती दिनों में टेनिस बॉल क्रिकेट खेलकर अपनी तकनीक निखारी। उन्होने कहा "टेनिस बॉल क्रिकेट खिलाड़ियों को तराशने में बड़ी भूमिका निभाता है। दुनिया के कई टॉप खिलाड़ियों ने इसी प्रारूप में कट, पुल जैसे शॉट्स और तेज़ रिफ्लेक्स जैसी स्किल्स सीखी हैं, बल्कि मैं खुद भी टेनिस बॉल क्रिकेट खेलकर बड़ा हुआ हूं, और मुझे पता है कि ज़मीन स्तर पर कितना जबरदस्त टैलेंट छुपा हुआ है।

डब्ल्यूटीसी फाइनल : एलन डोनाल्ड से आगे निकले रबाडा

कहा- बड़े गेंदबाजों की सूची में शामिल होना विशेष

डब्ल्यूटीसी फाइनल

- **कगिसो रबाडा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में पांच विकेट लेकर पूर्व क्रिकेटर एलन डोनाल्ड से आगे निकल गए**

लंदन, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में पांच विकेट लेकर पूर्व क्रिकेटर एलन डोनाल्ड से आगे निकल गए हैं। साउथ अफ्रीका के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने की लिस्ट में शामिल होने पर रबाडा ने कहा कि महान खिलाड़ियों की सूची में शामिल होने पर विशेष गर्व महसूस करते हैं।

रबाडा ने लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 विकेट लिए। उनके इस प्रदर्शन के साथ ही उनके नाम 332 टेस्ट विकेट हो गए हैं, जिससे वे एलन डोनाल्ड को पीछे छोड़कर दक्षिण अफ्रीका के सर्वकालिक विकेटों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे आगे केवल डेल स्टेन, शॉन पोलक और मखाया नतिनी ही हैं।

रबाडा ने इस उपलब्धि पर कहा, "गेंदबाजों की सूची में शामिल होना विशेष है। एक खिलाड़ी के रूप में बड़े होते हुए और दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व करते हुए, मैं उन लोगों से प्रेरित हुआ हूं जो पहले आए हैं और उन्होंने बड़े मंच पर जो कुछ किया है, उसे देखा है। उन नामों में शामिल होना विशेष है और यह लंबे समय तक जारी रहेगा।"

रबाडा ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा और कैमरून ग्रीन के विकेट चटकाए। इसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस, ब्यू वेबस्टर और मिशेल स्टार्क को आउट करके टेस्ट मैचों में अपना 17वां पांच विकेट हॉल हासिल किया। उनके स्पैल की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने गत चैंपियन को 212 रनों पर समेट दिया।

लेकिन रबाडा का मानना है कि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी को और भी पहले ध्वस्त कर सकते थे। लॉर्ड्स में दिन का खेल खत्म होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, "212, हम इसे स्वीकार करेंगे। हमें लगा कि हमें उन्हें 160 पर रोक देना चाहिए था, लेकिन खेल इसी तरह चलता है।

रबाडा दक्षिण अफ्रीका के लिए सबसे बेहतरीन गेंदबाज रहे, वहीं ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों ने भी लॉर्ड्स में पहले दिन के अंत में अच्छी शुरुआत की। स्टार्क, जोश हेजलवुड और कमिंस ने शानदार गेंदबाजी की और दक्षिण अफ्रीका ने दिन का खेल 43/4 पर समाप्त किया।

रबाडा ने कहा, "मुझे लगता है कि पिच बल्लेबाजों के लिए थोड़ी मुश्किल है, गेंद काफी तेजी से उछल रही है। लेकिन मुझे अभी भी लगता है कि बल्लेबाज रन बना सकते हैं। हालांकि, अगर आप लंबे समय तक सही क्षेत्र में ज्यादा गेंदें डालते हैं तो इससे मौके बनेंगे। अभी, हम 43/4 पर हैं, हम जिस शुरुआत की उम्मीद कर रहे थे वह नहीं मिली है, लेकिन इस टेस्ट मैच में बहुत क्रिकेट खेला जाना है। इसलिए हम बस इसके लिए प्रयास करते रहेंगे।"

कमिंस की कातिलाना गेंदबाजी से आस्ट्रेलिया को मिली बढ़त

लंदन। पैट कमिंस (28 रन पर छह विकेट) की कातिलाना गेंदबाजी की बदौलत आस्ट्रेलिया ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मैच के दूसरे दिन गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी को 138 रन पर समेट कर 74 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर ली। आस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 212 रन बनाये थे।

कमिंस ने आज का पहला विकेट दक्षिण अफ्रीकी कप्तान टेम्बा बवूमा (36) का लिया और इसके साथ ही वह 300 टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाजों की फेहरिस्त में शामिल हो गये। इसके बाद भी कमिंस की विकेट लेने की भूख कम नहीं हुयी और उन्होने विकेटकीपर बल्लेबाज काइल वेरेन (13),मार्को यानसन (शून्य) को एक ही ओवर में निपटा दिया। कमिंस ने कैगिसो रबाडा के तौर पर अपना छठा विकेट हासिल किया। दक्षिण अफ्रीका के लिये डेविड बेडिंघम (45) सर्वाधिक निजी योगदान देने वाले बल्लेबाज बने। उनका भी खेल कमिंस ने खत्म किया।

एमबापे, मेस्सी और रामोस क्लब विश्व कप के लिए तैयार

लंदन, एजेंसी। क्लब विश्व कप का आयोजन इस साल पहले से कहीं बड़ा होगा, जिसमें फुटबॉल के सबसे बड़े नाम शामिल होंगे।

अमेरिका के 11 शहरों में होने वाले इस टूर्नामेंट में दुनिया भर की 32 टीमें हिस्सा लेंगी। महीने भर चलने वाला यह मुकाबला 15 जून से शुरू होगा और 13 जुलाई को समाप्त होगा।

आठ बार बैलन डी'ओर जीतने वाले लियोनेल मेस्सी इंटर मियामी में बार्सिलोना के पूर्व खिलाड़ियों की एक शानदार चौकड़ी का हिस्सा हैं, जिसमें लिवरपूल के पूर्व स्ट्राइकर लुइस सुआरेज़, मिडफील्डर सर्जियो बुस्केट्स और लेफ्ट-बैक जोर्डी अल्बा शामिल हैं।

2010 में स्पेन के साथ विश्व कप विजेता टीम के सदस्य डिफेंडर सर्जियो रामोस मैक्सिकन टीम मॉन्टेरी के कप्तान हैं, जबकि स्ट्राइकर ओलिवर गिरौद और गोलकीपर ह्यूगो लोरिस लॉस एंजिल्स एफसी की टीम में हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व कप विजेता किलियन एमबाप्पे और एंटोनी ग्रिज़मैन क्रमशः रियल मैड्रिड और एटलेटिको मैड्रिड की टीमों में हैं। मैनचेस्टर सिटी ने अपनी टीम में तिजानी रेइंडर्स, रेयान ऐट-नूरी, मार्कस बेटिनेली और रेयान चेर्की को चुना है, जबकि चेल्सी के लियाम डेलाप, डारियो एस्सुगो और मामादौ सार भी शामिल होंगे।

मध्य-टूर्नामेंट पंजीकरण विंडो के भाग के रूप में, 27 जून से 3 जुलाई के बीच, क्लब दो अतिरिक्त खिलाड़ियों को जोड़ सकते हैं, जिससे उनकी टीम का आकार संभावित रूप से 35 से 37 तक हो सकता है। टीम में अधिकतम छह बदलाव किए जा सकते हैं।

रिकी पोंटिंग ने की वेबस्टर की तारीफ

डब्ल्यूटीसी

- **दवाब में वेबस्टर की पारी उनके महत्व को दर्शाती है।**

लंदन, एजेंसी। आईसीसी हॉल ऑफ फेम रिकी पोंटिंग ने ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर की प्रशंसा की है, जिन्होंने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मैच के पहले दिन आस्ट्रेलिया की पहली पारी को निखारने में अहम भूमिका निभायी। पोंटिंग ने कहा, ''वह (वेबस्टर) पूरी तरह से तैयार लग रहे थे और 'तैयार' बिल्कुल वही शब्द है जो वेबस्टर ने अपने सीमित टेस्ट करियर में अब तक करके दिखाया है। दवाब में वेबस्टर की पारी उनके महत्व को दर्शाती है।

आस्ट्रेलिया के इस दिग्गज ऑलराउंडर ने इस साल की शुरुआत में भारत के खिलाफ सिडनी में निर्णायक टेस्ट में अपना टेस्ट डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने अपनी पहली पारी में 57 रन बनाए थे। वे उस समय क्रीज पर आए थे जब उनकी टीम का स्कोर चार विकेट पर 39 रन था, और टीम अभी भी 146 रन पीछे थी और पहली पारी में बड़ी कमी का सामना कर रही थी। इस पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 181 रन बनाए, जिससे मेजबान टीम को भारतीयों पर रोमांचक जीत हासिल करने का मौका मिला।

लॉर्ड्स में खेले गए अंतिम टेस्ट की चमकीली रोशनी में वेबस्टर ने फिर से ऐसा किया। अपने चौथे टेस्ट में, 31 वर्षीय खिलाड़ी ने शुरुआती मुश्किल दौर से निपटते हुए 92 गेंदों पर 72 रन बनाए, ऑस्ट्रेलिया के लिए शीर्ष स्कोरर रहे और सुनिश्चित किया कि उनकी टीम विश्व स्तरीय गेंदबाज़ी के खिलाफ़ मुश्किल पिच पर 212 रनों का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाए। इस प्रदर्शन की काफ़ी प्रशंसा हुई है।

रिकी पोंटिंग ने ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के बाद आईसीसी डिजिटल से कहा, ''आप उन 70 रनों को हटा दें, तो स्कोरकार्ड बिल्कुल अलग दिखता है। मुझे लगता है कि यह इस बात को दर्शाता है कि वह अभी अपने खेल में कितना सहज है और ऑस्ट्रेलियाई मध्य क्रम में होने के बावजूद भी वह कितना सहज है। आज मुझे जो बात पसंद आई, वह यह थी कि ऑस्ट्रेलिया थोड़ी परेशानी में थी, विकेट गिर रहे थे। ऐसे में वेबस्टर ने मैदान पर जाकर अपनी स्वाभाविक खेल शैली को बनाए रखा। जिस तरह से वह खेलना चाहता था, उसने आक्रामक होने की कोशिश की और दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों पर दबाव बनाने की कोशिश की।

ऑस्ट्रेलिया के लिए वेबस्टर ने 72 रन बनाए, जबकि स्टीव स्मिथ ने भी तीन घंटे से कम समय में 66 रन बनाकर योगदान दिया। कीपर एलेक्स कैरी 23 रन बनाकर दूसरे सबसे बड़े स्कोरर रहे। प्रोटियाज की अगुआई कैगिसो रबाडा ने 5/51 के स्कोर से की, जिसमें वेबस्टर का आउट होना भी शामिल था।

एमपीएल टी-20 का दूसरा सीजन ग्वालियर में शुरू

एमपीएल टी-20

- **टूर्नामेंट का सीधा प्रसारण फैन कोड ऐप पर किया जाएगा, जबकि इसका सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स 1 और स्टार स्पोर्ट्स सेलेक्ट पर उपलब्ध होगा**

ग्वालियर, एजेंसी। मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) टी20 का दूसरा संस्करण ग्वालियर में 12 जून से 24 जून तक श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होने वाला है। कमेंट्री पैनल की घोषणा के साथ ही रोमांच और बढ़ गया है, जो टेलीविजन और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर टूर्नामेंट को कवर करेगा।

कमेंट्री पैनल का नेतृत्व पद्मश्री सुशील दोशी कर रहे हैं, जो इंदौर के प्रतिष्ठित हिंदी कमेंटेटर हैं, जिनकी आवाज दशकों से भारतीय क्रिकेट का पर्याय रही है। उनके साथ भारत के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और मध्य प्रदेश क्रिकेट जगत में एक सम्मानित व्यक्ति अमय खुरासिया भी शामिल हैं। पैनल में भारतीय महिला टीम की पूर्व ऑलराउंडर और खेल में एक नियमित आवाज रीमा मल्होत्रा भी शामिल हैं।

सुहास वेधम अपनी मजाकिया और आकर्षक शैली के साथ-साथ सभी प्रारूपों में ज्ञानवर्धक कमेंट्री के लिए खेल प्रसारण में एक प्रमुख नाम हैं, जो पैनल में गहराई जोड़ते हैं। वहीं, ग्वालियर के नवीन श्रीवास्तव, मेजबान शहर का प्रतिनिधित्व करते हुए, अपने स्थानीय जुड़ाव और घरेलू क्रिकेट कवरेज के अनुभव के साथ प्रसारण टीम को मजबूती देते हैं।

टूर्नामेंट का सीधा प्रसारण फैन कोड ऐप पर किया जाएगा, जबकि इसका सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स 1 और स्टार स्पोर्ट्स सेलेक्ट पर उपलब्ध होगा। लीग का उद्घाटन 12 जून को ग्वालियर चीता और चंबल घड़ियाल के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबले से होगा।

मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) के तत्वावधान में ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन (जीडीसीए) द्वारा आयोजित एमपीएल टी-20 2025 का उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाला क्रिकेट प्रदान करना, स्थानीय प्रतिभा को आगे बढ़ाना और अपने अनुभवी और प्रतिष्ठित कमेंट्री पैनल के समर्थन से एक मजबूत प्रसारण अनुभव बनाना है।

पुरुषों की टीमें : ग्वालियर चीता, भोपाल लेपड्र्स, जबलपुर रॉयल लायंस, रीवा जगुआर, इंदौर पिंक पैंथर्स, चंबल घड़ियाल, बुंदेलखंड बुल्स

महिला टीमें : चम्बल घड़ियाल, भोपाल वुल्व्स, बुंदेलखंड बुल्स

श्रेयस को इंग्लैंड दौरे के लिए जगह मिलनी चाहिये थी : गांगुली

कोलकाता, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए बल्लेबाज श्रेयस अय्यर शामिल किया जाना था। गांगुली के अनुसार श्रेयस का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में काफी अच्छा रहा है। इसके बाद भी उन्हें टीमें में जगह नहीं मिलना हैरानी की बात है। श्रेयस की कप्तानी में टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के अलावा कई अन्य घरेलू टूर्नामेंटों के भी फाइनल में पहुंची है। आईपीएल में उन्होंने पंजाब की ओर से सबसे अधिक 604 रन बनाये थे। गांगुली के अनुसारन श्रेयस को उनके इस प्रदर्शन के आधार पर टीम में जगह मिलनी चाहिये थी।

गांगुली ने कहा, पिछले एक साल में वह अपना सर्वश्रेष्ठ खेल रहा है और उसे इस टीम में होना चाहिए था। पिछला एक साल उसके लिए शानदार रहा है। वह ऐसा खिलाड़ी नहीं है जिसे बाहर रखा जाए। वह अब दबाव में रन बना रहा है, जिम्मेदारी ले रहा है और शॉर्ट बॉल को अच्छी तरह खेल रहा है। टेस्ट क्रिकेट हालांकि अलग होता है पर अगर मैं चयन समिति में होता तो उसे शामिल करता, जिससे पता चले वह क्या कर सकता है। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होगी। पांच मैचों की इस सीरीज से विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 चक्र की शुरुआत होगी। यह सीरीज भारतीय टीम के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि टीम युवा कप्तान के नेतृत्व में उतरेंगीहै। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और आर अश्विन के बिन भारतीय टीम किस प्रकार का प्रदर्शन करती है।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम : शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रित बुमरा, मोहम्मद।

इंग्लैंड दौरा — **अगर गिल इंग्लैंड में अच्छी कप्तानी करते हैं तो इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा**

शुभमन इंग्लैंड में अच्छी कप्तानी करते हैं तो उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा : पुजारा

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व टेस्ट क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि नये कप्तान शुभमन गिल के लिए इंग्लैंड दौरा आसान नहीं होगा। पुजारा ने कहा कि इंग्लैंड के अलग हालातों में अगर वह भारतीय टीम को जीत दिलाने में सफल रहे तो इससे उनका और टीम का मनोबल काफी बढ़ जाएगा जिससे लाभ आगे भी होगा। रोहित शर्मा और विराट कोहली के अचानक संन्यास लेने के बाद भारतीय टीम की कप्तानी शुभमन को मिली है। पुजारा ने कहा, जब आप कप्तान के तौर पर विदेश जाते हैं, तो चाहे आप युवा हों या परिपक्व, यह चुनौतीपूर्ण होगा। इंग्लैंड में शुरुआत करना आसान नहीं होता है पर यह एक युवा खिलाड़ी के लिए शानदार अवसर है। अगर वह इंग्लैंड में अच्छी कप्तानी करते हैं तो इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

पुजारा ने कहा, उन्हें अनुभवी जसप्रीत बुमराह से पहले यह जिम्मेदारी इसलिए दी गई है क्योंकि बुमराह काम के बोझ और फिटनेस की परेशानियों के कारण सभी पांच टेस्ट मैच नहीं खेल पाएंगे। उन्होंने कहा, ''इसलिए अगर ऐसे में युवा शुभमन को जिम्मेदारी दी गई है तो टीम प्रबंधन और चयनकर्ता चाहेंगे कि वह लंबे समय तक टीम की कप्तानी करें।'' उन्होंने शुभमन को कप्तानी और बल्लेबाजी को अलग रखने को कह। उन्होंने कहा, बल्लेबाज के तौर पर भी उन पर काफी जिम्मेदारी रहेगी पर मुझे भरोसा है कि जिस तरह की प्रतिभा उनमें है, वह इंग्लैंड में सफल होंगे। यह निश्चित रूप से उन्हें अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा। मुझे नहीं पता कि कप्तान होने के नाते वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाएंगे या नहीं पर एक बल्लेबाज के तौर पर उन्होंने हमेशा टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करने के प्रयास किये हैं। वह हमेशा ही आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं, ऐसे में उनपर कप्तानी का दबाव आने की संभावना नहीं है।

पुजारा ने कहा, जब आप उच्चतम स्तर पर बल्लेबाज के रूप में खेल रहे होते हैं तो आप कभी यह नहीं सोचते कि आप कप्तान हैं या खिलाड़ी, आप हमेशा टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। आपको इसे अलग रखना होगा, जब आप मध्यक्रम में बल्लेबाजी कर रहे हों तो आपको कप्तानी के बारे में सोचने के बजाय बल्लेबाज के रूप में सोचना होगा। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि उनकी बल्लेबाजी का तरीका बदलेगा, उन्हें उसी तरह बल्लेबाजी करनी होगी जैसे वह बल्लेबाजी करते हैं। वह एक आक्रामक खिलाड़ी हैं, उन्हें अपने शॉट खेलना पसंद है और उन्हें अपने शॉट खेलना जारी रखना होगा, लेकिन साथ ही उन्हें इंग्लैंड की परिस्थितियों को समझने और यह पता लगाने की जरूरत है कि कौन सा गेंदबाज सही है।

पुजारा ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के खराब फॉर्म के बावजूद उन्हें इंग्लैंड दौरे के लिए उपकप्तान नियुक्त करने को भी सही ठहराया। उन्होंने कहा, बुमराह कप्तान या उप-कप्तान की भूमिका की दौड़ से बाहर हैं और यही कारण है कि पंत को उप-कप्तानी दी गई है। उन्होंने कहा, वह टी-20 प्रारूप में फॉर्म में नहीं हैं, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में वह सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं। इंग्लैंड में उनका रिकॉर्ड अतीत में काफी अच्छा रहा है और वह उन शानदार पारियों को दोहराने में सक्षम हैं। पुजारा चाहते हैं कि केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल सलामी बल्लेबाज के रूप में बने रहें, जबकि अगले स्थान के लिए करुण नायर और अभिमन्यु ईश्वरन को रखा जाये। उन्होंने कहा, अगर शुभमन चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं तो अभिमन्यु ईश्वरन या करुण नायर जैसे खिलाड़ी उस स्थान के लिए उपयुक्त हो सकते हैं, लेकिन मैं फिर भी शुभमन को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते देखना चाहूंगा।

विवेक अग्निहोत्री की फिल्म 'द दिल्ली फाइल्स' का बदला टाइटल

● अब 'द बंगाल फाइल्स' होगा नाम फिल्म का

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज निर्देशक और निर्माता विवेक अग्निहोत्री इस समय अपनी आगामी फिल्म 'द दिल्ली फाइल्स' से चर्चा में हैं। हालांकि, अब इस फिल्म को नए टाइटल के साथ रिलीज किया जाएगा। डायरेक्टर ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि अब फिल्म का नाम 'द बंगाल फाइल्स' होगा। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म के टीजर रिलीज की तारीख का भी एलान किया है। वहीं यह फिल्म सिनेमाघरों में कब आएगी ये भी बताया है।

● नए टाइटल के साथ रिलीज होगी फिल्म: 'द कश्मीर फाइल्स' के चर्चित निर्देशक विवेक अग्निहोत्री अपनी शानदार फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। निर्देशक ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने अपनी आगामी फिल्म के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने लिखा कि बड़ी घोषणा अब उनकी फिल्म 'द दिल्ली फाइल्स' का नाम 'द बंगाल फाइल्स' होगा। यानी कि फिल्म अब नए नाम के साथ सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

● कब आ रही फिल्म ?: टाइटल बदलाव के एलान के साथ ही निर्देशक ने 'द बंगाल फाइल्स' फिल्म को लेकर दो और बड़ी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि फिल्म का टीजर 12 जून 2025 को ठीक 12 बजे दोपहर में रिलीज किया जाएगा। यानी कि फिल्म की कहानी से पर्दा जल्द ही उठने वाला है। इसके अलावा फिल्म की तारीख की भी घोषणा हो चुकी हैं। यह फिल्म सिनेमाघरो में 5 सितंबर को दस्तक देगी। वहीं, आपको बताते चलें कि 'द बंगाल फाइल्स' को पहले स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को रिलीज किया जाना था, जिसे अब बदल दिया गया है। विवेक अग्निहोत्री को लीग से हटकर फिल्में बनाने के लिए जाना जाता है। निर्देशक की 'द बंगाल फाइल्स' तीसरी फिल्म होनी वाली है, जो सच्ची घटना पर आधारित होगी।

काजोल की फिल्म 'मां' का सॉन्ग 'हमनवा' रिलीज

'मां' एक आगामी हॉरर फिल्म है, जिसे विशाल फुरिया ने निर्देशित किया है। यह हॉरर शैली में काजोल की पहली फिल्म है। आज फिल्म का गाना 'हमनवा' रिलीज हुआ है, जिसकी जानकारी अजय देवगन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कर दी है।

● गाना हमनवा: विशाल रेवंती फुरिया द्वारा निर्देशित और अजय वीणा देवगन और ज्योति संता सुब्बारायण द्वारा निर्मित फिल्म मांके हमनवा को श्रेया घोषाल और जुबिन नौटियाल ने अपनी आवाज से सजाया है। इस गाने को मनोज प्रेमा मुंतशिर शुक्ला ने लिखा है। इस गाने को रॉकी मेहर बानो खन्ना और शिव अनिता मल्होत्रा ने कंपोज किया है। इस गाने में काजोल और फिल्म में उनकी बेटी की गहरी बॉन्डिंग को दिखाया गया है।

● यूट्यूब पर मिले कितने व्यूज: हमनवा गाने को नेटिजेंस बेहद पसंद कर रहे हैं। इस गाने को 30 मिनटों के अंदर यूट्यूब पर अब तक 38 हजार से ज्यादा के व्यूज मिल चुके हैं। एक यूजर ने लिखा, 'काजोल-जुबिन-श्रेया का जादू चलता रहेगा', एक और यूजर ने लिखा, 'श्रेया की आवाज - शुद्ध

● अजय देवगन ने शेयर किया वीडियो

भावना है', एक और यूजर ने लिखा, 'काजोल के एक्सप्रेशन पहले से ही दिल को छू लेने वाले हैं', एक और यूजर ने लिखा, 'काजोल की एक्टिंग और जुबिन-श्रेया की आवाज यानी फुल पैकेज।'

● फिल्म मां: फिल्म मां, 'शैतान' के ब्रह्मांड की अगली कड़ी है और जिसमें एक मां अलौकिक शक्तियों से अपने बच्चे को बचाने के लिए किस हद तक जाती है। इस फिल्म को अजय देवगन, ज्योति देशपांडे, जियो स्टूडियो द्वारा निर्मित और कुमार मंगत पाठक द्वारा सह-निर्मित किया गया है।

फिल्म में काजोल के अलावा रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्त, जितिन गुलाटी, गोपाल सिंह, सूर्यसिखा दास, यानी भारद्वाज, रूपकथा चक्रवर्ती और खेरिन शर्मा सहायक भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 27 जून 2025 को हिंदी, तमिल, तेलुगु और बंगाली में रिलीज होगी।

अजय देवगन ने फिल्म 'मां' का गाना 'हमनवा' का वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया।

मालदीव्स की ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर बनीं कैटरीना

भारतीय पर्यटकों को लुभाने का तरीका?

मालदीव्स टूरिज्म इंडस्ट्री ने बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री और स्टाइल आइकन कैटरीना कैफ को अपनी नई ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर के रूप में चुना है। मालदीव्स मार्केटिंग एंड पब्लिक रिलेशंस कॉरपोरेशन (MMPRC) ने इस घोषणा के साथ अपनी समर सेल कैम्पेन का भी शुभारंभ किया है, जिसका मकसद दुनियाभर के यात्रियों को इस खूबसूरत द्वीपसमूह की ओर आकर्षित करना है। कैटरीना की इस नई जिम्मेदारी को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है क्योंकि वो न सिर्फ एक सफल अभिनेत्री हैं बल्कि एक इंस्पायरिंग बिजनेसवुमन भी हैं।

> "कैटरीना एक सफल अभिनेत्री हैं बल्कि एक इंस्पायरिंग बिजनेसवुमन भी हैं"

● विजिट मालदीव्स ने किया पोस्ट: विजिट मालदीव्स के ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर इसे लेकर जानकारी दी गई है। कैटरीना कैफ को लेकर एक पोस्ट किया गया है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के जरिए वो चाहते हैं कि पूरी दुनिया मालदीव्स की प्राकृतिक सुंदरता को करीब से महसूस करे। उनकी यह बात मालदीव्स के लिए अच्छी खबर है, खासकर उस वक्त जब वे एक नए दौर में कदम रख रहे हैं।

विजिट मालदीव्स के CEO इब्राहिम शियूरे ने बताया कि कैटरीना की ऊर्जा और वैश्विक लोकप्रियता ही उन्हें इस ब्रांड के लिए सही प्रतिनिधि बनाती है।

उन्होंने कहा कि मालदीव्स पिछले पांच सालों से टॉप टूरिस्ट डेस्टिनेशन की सूची में शामिल है और इस समर सेल अभियान के जरिए वो दुनिया भर के पर्यटकों को मालदीव्स आने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं।

● समर सेल के ऑफर्स: बता दें इस समर सेल के तहत मालदीव्स के लग्जरी रिसॉर्ट्स, बुटीक होटल और परिवार के लिए अनुकूल ठहराव पर विशेष ऑफर्स उपलब्ध कराए जा रहे हैं। भारत, ब्रिटेन, रूस, इटली, स्पेन, पोलैंड और जर्मनी, ऑस्ट्रिया, स्विट्जरलैंड जैसे प्रमुख बाजारों में यह अभियान जोर-शोर से चलाया जा रहा है।

● भारतीयों ने किया था बॉयकॉट: गौरतलब है कि जनवरी 2024 में मालदीव्स के कुछ मंत्रियों द्वारा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा था। इससे कई भारतीय पर्यटक अपनी मालदीव्स ट्रिप रद्द कर चुके हैं और इस घटना ने मालदीव्स की छवि को कुछ हद तक नुकसान पहुंचाया है।

'स्पिरिट' से बाहर होने के बाद दीपिका ने उठाया बड़ा कदम

फिल्म 'स्पिरिट' से बाहर होने के बाद से दीपिका पादुकोण चर्चा में हैं। ऐसे में दीपिका पादुकोण ने अपने पिता का जन्मदिन बहुत खास तरह से मनाया है। उन्होंने बताया है कि वह पूरे देश में लोगों के लिए हर साल 75 बैडमिंटन स्कूल खोलेंगी।

● इन जगहों पर खोले जाएंगे सेंटर: दीपिका पादुकोण ने पोस्ट में एक प्रेस रिलीज जारी की है। इसके मुताबिक वह अपने पिता के 70वें जन्मदिन पर पूरे देश में 'पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन' खोलेंगी। ये सेंटर बंगलूरू, दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, जयपुर, पुणे, नासिक, मैसूर, पानीपत, देहरादून, उदयपुर, कोयम्बटूर और सूरत में खोले जाएंगे।

● दीपिका ने पिता के साथ साझा की तस्वीर: दीपिका ने सोशल मीडिया पर अपने पिता प्रकाश पादुकोण के साथ एक तस्वीर साझा की है। पोस्ट के कैप्शन में दीपिका ने लिखा है 'बैडमिंटन खेलते हुए बड़े होने के नाते, मैंने खुद अनुभव किया है कि यह खेल किसी की जिंदगी को किस तरह बदलता है। यह लोगों को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से बदलता है। पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन के जरिए हम सभी क्षेत्रों के लोगों तक बैडमिंटन का आनंद और अनुशासन पहुंचाने की उम्मीद करते हैं। हम एक ऐसी पीढ़ी का निर्माण करना चाहते हैं जो स्वस्थ और खेल से प्रेरित हो।'

● 2027 तक 250 होगी सेंटर की तादाद: दीपिका पादुकोण ने पोस्ट के साथ जो प्रेस रिलीज शेयर की है उसके मुताबिक पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन हर साल 75 बैडमिंटन सेंटर खोलेगा। 2027 तक इनकी तादाद 250 तक होगी। इससे बैडमिंटन सभी के लिए आसान बन सकेगा। सेंटर ने पहले साल में ही 18 शहरों में 75 से ज्यादा कोचिंग सेंटर स्थापित किए हैं।

● दीपिका के पिता भी देंगे साथ: आपको बता दें दीपिका पादुकोण के पिता बेहतरीन बैडमिंटन खिलाड़ी रहे हैं। वह पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन में एक सलाहकार के तौर पर शामिल हुए हैं। इस मौके पर उन्होंने कहा 'खेल बड़े होने का एक अभिन्न हिस्सा है। यह अनुशासन और जीतने की मानसिकता पैदा करता है। पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन के साथ, हमारा लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण कोचिंग को आसान और किफायती बनाना है।

राजा की हत्या करवाने वाली सोनम पर भड़कीं कंगना

हनीमून के लिए शिलॉन्ग जाकर लापता हुए राजा रघुवंशी की हत्या उनकी पत्नी सोनम ने करवाई थी। सोनम गाजीपुर के ढाबे में मिल चुकी हैं, जिसके बाद पुलिस जांच जारी है। राजा रघुवंशी हत्याकांड का पर्दाफाश होने के बाद से ही पूरे देश में आक्रोश है। अब इस मामले में कंगना रनोट ने भी सोनम पर भड़कते हुए कहा है कि इस बारे में सोच-सोचकर उनके सिर में दर्द हो रहा है। कंगना रनोट ने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा है, ये कितना बेतुका है, औरत शादी के लिए मना नहीं कर सकती क्योंकि उसे अपने ही माता-पिता से डर लगता है लेकिन वो सुपारी किलर के साथ एक निर्मम हत्या की योजना बना सकती है। यह सुबह से मेरे दिमाग में है लेकिन मैं इसे समझ नहीं पा रही हूं। उफ्फ, अब तो सिरदर्द हो रहा है, वह तलाक भी नहीं दे सकती थी या अपने प्रेमी के साथ भाग नहीं सकती थी। आगे एक्ट्रेस लिखती हैं, कितना क्रूर, जघन्य और सबसे बढ़कर बेतुका और मूर्ख। मूर्ख लोगों को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। वे किसी भी समाज के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं। हम अक्सर उन पर हंसते हैं और सोचते हैं कि वे हानिरहित हैं लेकिन यह सच नहीं है। बुद्धिमान लोग अपने फायदे के लिए दूसरों को नुकसान पहुंचा सकते हैं लेकिन याद रखें कि एक मूर्ख व्यक्ति को पता नहीं होता कि वह क्या कर रहा है। अपने आस-पास के मूर्खों के प्रति बहुत सचेत रहें। बताते चलें कि 11 मई को इंदौर में शादी होने के बाद राजा रघुवंशी पत्नी सोनम के कहने पर 20 मई को हनीमून मनाने शिलॉन्ग गए थे। 24 मई को कपल का परिवार से संपर्क टूट गया, जिसके बाद उन्हें लापता मानकर तलाश शुरू की गई। 2 जून को राजा रघुवंशी का शव खाई में मिला, जिसके बाद 8-9 जून की दरमियानी रात सोनम गाजीपुर के ढाबे में मिली। जांच में सामने आया है कि सोनम ने प्रेम प्रसंग के चलते पति राजा की हत्या की सुपारी दी थी।

मानुषी संग रोमांस करते दिखे राजकुमार

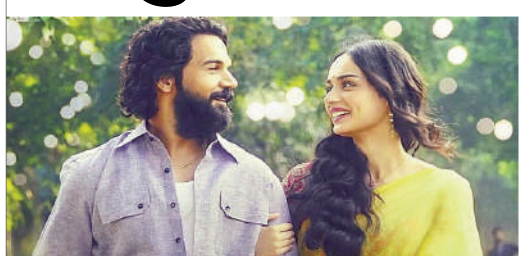

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार इस वक्त अपनी आगामी फिल्म 'मालिक' से चर्चा में हैं, जिसमें एक्टर गैंगस्टर लुक में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का दर्शकों का बड़ी बेसब्री से इंतजार है। अब निर्माताओं ने फिल्म का पहला गाना 'नामुमकिन' रिलीज किया है। इस गाने के जरिए मिस वर्ल्ड विजेता और अभिनेत्री मानुषी छिल्लर पहली बार स्क्रीन पर नजर आईं हैं।

● मानुषी संग रोमांस करते दिखे राजकुमार राव: 'मालिक' फिल्म के निर्माताओं ने आज मंगलवार के दिन फिल्म का पहला गाना 'नामुमकिन' रिलीज किया है। इस गाने के जरिए पहली बार फिल्म की अभिनेत्री मानुषी छिल्लर की झलक ऑनस्क्रीन दिखाई दी है। गाने में दोनों रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं और इनकी केमिस्ट्री देखने लायक है। वे साथ में बहुत प्यारे दिख रहे हैं। 'नामुमकिन' सॉन्ग को वरुण जैन, श्रेया घोषाल, सचिन-जिगर ने मिलकर गाया है। वहीं इस गाने को अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखा है।

> "मालिक, एक आगामी एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन डायरेक्टर पुलकित द्वारा किया जा रहा है"

● फुल एक्शन में दिखे थे राजुमार राव: 'मालिक' फिल्म का टीजर पिछले हफ्ते रिलीज हुआ था। इस टीजर में राजकुमार राव का खतरनाक अंदाज दिखा था, जिसमें उन्हें अपने दुश्मनों को बर्बर तरीके से मारते-काटते देखा गया था। फिल्म के टीजर ने दर्शकों के रोंगटे खड़े कर दिए थे। पहली बार अभिनेता का ये अंदाज उनके फैंस देखेंगे। इस समय अभिनेता अपनी रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'भूल चूक माफ' से चर्चा में हैं। अब उन्हें फुल टू एक्शन में देखने के लिए तैयार हो जाएं।

● कब रिलीज होगी फिल्म ?: पुलकित द्वारा निर्देशित 'मालिक' 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। वहीं इस फिल्म का निर्माण टिप्स फिल्म्स और नॉर्दर्न लाइट्स फिल्म्स द्वारा किया जा रहा है। राजकुमार राव और वामिका गब्बी की फिल्म 'भूल चूक माफ' काफी विवादों के निर्माता कुमार तौरानी और जय शेवाक्रमानी ने अपनी आने वाली फिल्म, मालिक, का शीर्षक राजकुमार राव के जन्मदिन पर प्रकट किया है। इस घोषणा ने प्रशंसकों और फिल्म उद्योग में महत्वपूर्ण उत्साह पैदा किया है।

राजकुमार राव, जो अपने बहुमुखी अभिनय कौशल के लिए जाने जाते हैं, मालिक में एक नया अवतार ग्रहण करेंगे। वह इस एक्शन-थ्रिलर में एक गैंगस्टर की भूमिका निभाएंगे, जो उनकी पिछली भूमिकाओं से अलग है। इस भूमिका के लिए अभिनेता के बदलाव का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है।

स्त्री 2 की भारी सफलता के बाद, राजकुमार राव मालिक में एक गैंगस्टर के किरदार के साथ दर्शकों को चौंकाने के लिए तैयार हैं। यह भूमिका अभिनेता के एक अलग पहलू को प्रदर्शित करने का वादा करती है, जो उनके पहले से ही प्रभावशाली प्रदर्शनों में इजाफा करती है।

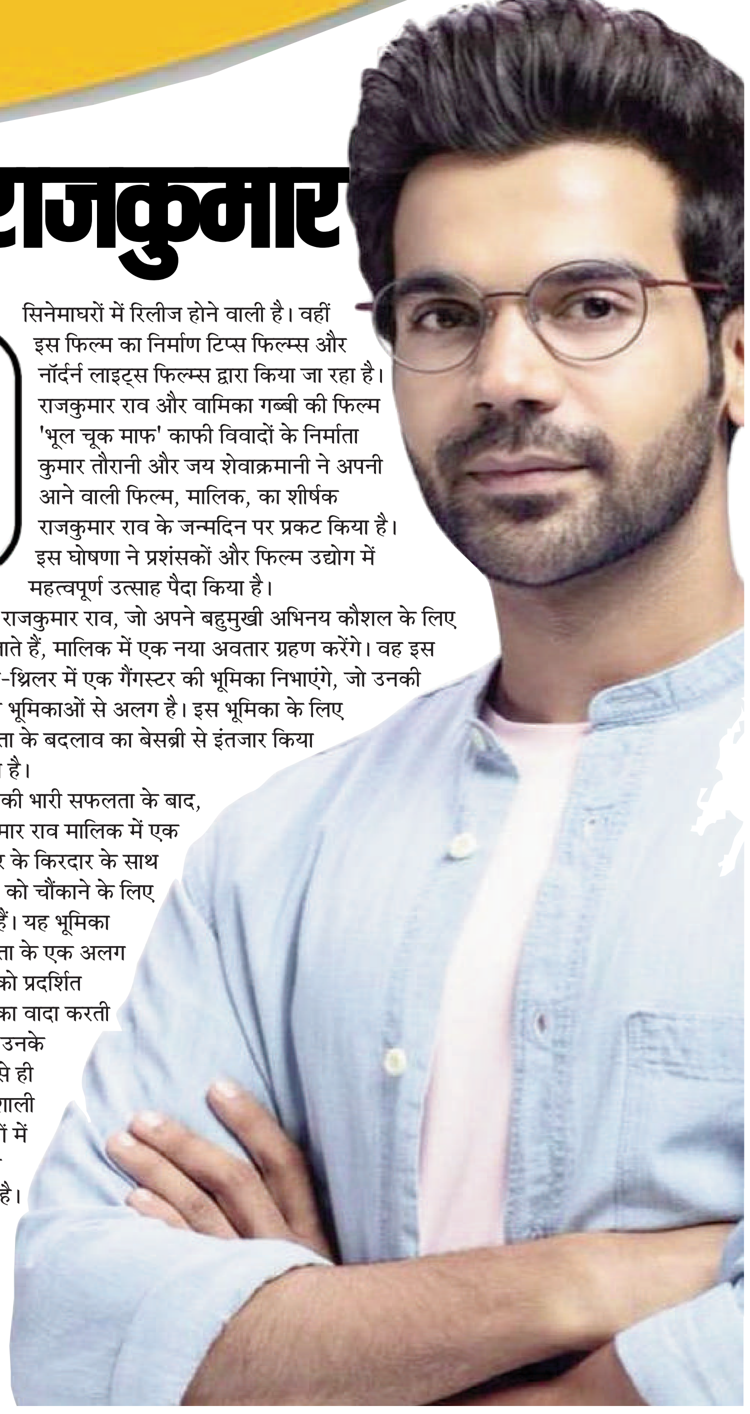

सई मांजरेकर ने किए श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर के दर्शन

बॉलीवुड एक्टर महेश मांजरेकर की बेटी सई मांजरेकर ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर की कुछ खास तस्वीरें और वीडियो शेयर की हैं।

● सई का पोस्ट: फिल्म 'दबंग 3' से बॉलीवुड में अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस सई मांजरेकर ने इंस्टाग्राम पर मंदिर से अपनी कई शानदार तस्वीरें और वीडियोज शेयर किए हैं। यह सभी तस्वीरें और वीडियोज श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर के हैं। उन्होंने इस खास पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, 'बहुत अच्छा दिन।' सई मांजरेकर ने सोशल मीडिया पर श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर के दर्शन की खास तस्वीरें शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है।

● मंदिर की विशेषता: श्रीमहाकालेश्वर मंदिर, उज्जैन में है। यह मंदिर भारत में 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। जहां महाकाल विराजमान हैं। महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग शिव को समर्पित एक हिंदू मंदिर है और बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है, जिन्हें शिव का सबसे पवित्र निवास माना जाता है। यह भारत के मध्य प्रदेश राज्य के प्राचीन शहर उज्जैन में स्थित है। यह मंदिर पवित्र शिप्रा नदी के किनारे स्थित है।

● सई का करियर: सई मांजरेकर भारतीय अभिनेत्री हैं, जो तेलुगु और हिंदी फिल्मों में काम करती हैं। अभिनेता महेश मांजरेकर और मेधा मांजरेकर की बेटी ने दबंग 3 से बॉलीवुड में अपने अभिनय की शुरुआत की। मांजरेकर तब से तेलुगु फिल्मों घनी, मेजर और स्कंद में अभिनय कर चुकी हैं। आखिरी बार सई बॉलीवुड फिल्म 'औरों में कहां दम था' में नजर आई थीं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित।
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401